जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शुक्रवार 13 दिसम्बर, 2024

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

एक वर्ष
परिणाम उत्कर्ष

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राज्यस्तरीय समारोह

किसान सम्मेलन

मुख्य अतिथि

श्री भजनलाल शर्मा

माननीय मुख्यमंत्री

राशि हस्तान्तरण / वितरण

70 लाख किसानों को 700 करोड़ रुपये की किसान सम्मान निधि

3.25 लाख पशुपालकों को 5 रुपये प्रति लीटर की दर से 200 करोड़ रुपये

20,000 गोपालकों को 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण

15,000 किसानों को सोलर पंप हेतु 300 करोड़ रुपये

15,000 किसानों को फव्वारा एवं ड्रिप के लिए 29 करोड़ रुपये

14,200 किसानों को फार्म पोंड, पाइपलाइन इत्यादि के लिए 96 करोड़ रुपये

10,000 छात्राओं को कृषि में अध्ययन हेतु 22 करोड़ रुपये

8,000 सौर ऊर्जा संयंत्रों के संवेदकों को 80 करोड़ रुपये

5,000 वन मित्रों को सुरक्षा किट

150 पैक्स गोदाम निर्माण हेतु 10 करोड़ रुपये

100 गौशालाओं को गौ काष्ठ मशीन

शुभारम्भ

- मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना
- 200 नये बल्क मिल्क कूलर्स
- ऊंट संरक्षण और विकास मिशन
- 1 हजार दूध संकलन केन्द्र

दिनांक - **13 दिसम्बर, 2024** स्थान - **कायड़, अजमेर** समय - **प्रातः 11:00 बजे**

निभाई जिम्मेदारी - हर घर खुशहाली

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

पराधीन को जिन्दा कहें, तो मुर्दा कौन है। -हितोपदेश

भारत का भूतकाल तथा उसका उज्जवल भविष्य झूल रहा है, पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की वैधता पर

देश में सबसे अधिक चर्चा का विषय प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 है। इसे इस लेख में धार्मिक स्थल कानून अथवा पूजा स्थल कानून के नाम से सम्बोधित किया जावेगा। यह कानून सन 1991 में संसद द्वारा पारित किया गया था। उस समय देश के प्राइम मिनिस्टर स्व0 पी.वी. नरसिंह राव थे। इस कानून में यह बतलाया गया है कि दिनांक 15 अगस्त 1947 से पूर्व के बने किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जावेगा। इस कानून के उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध फौजदारी मुकदमा चल सकता है, जिसमें तीन साल की जेल व जुर्माने का प्रावधान है। यह कानून जब बना उस समय बाबरी मस्जिद और अयोध्या का प्रकरण चल रहा था। सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया गया था कि इस कानून के प्रावधान उक्त केस (अयोध्या केस) पर लागू नहीं होंगे।

इस अधिनियम के अनुसार देश के धार्मिक स्थलों के धार्मिक चरित्र को बनायें रखने और उसको सुरक्षित रखने का प्रयास किया गया है। इसके अनुसार 15 अगस्त 1947 को देश में स्थित धार्मिक स्थलों की स्थिति को बनाये रखा जाना है।

यह अधिनियम किसी भी पूजा स्थल को किसी अन्य धार्मिक सम्प्रदाय के पूजा स्थल में बदलने पर रोक लगाता है तथा भविष्य में भी कोई साम्प्रदायिक विवाद न हो इसे रोकता है।

इसका मुख्य उद्देश्य यही था कि जो विवाद लोग भूल चुके हैं उसे पुनः जिन्दा न किया जावे और सामाजिक सदभाव बनाये रखा जावे। किसी ने सच कहा है कि इस अधिनियम का मूल उद्देश्य "ऐतिहासिक धार्मिक टकराव के मद्देनजर सहनशीलता की एक रेखा खींचने का प्रयास है।"

यह कानून बहुत महत्व का है। इस बात को सुप्रीम कोर्ट ने अपने 9 नवम्बर, 2019 के ऐतिहासिक अयोध्या के विवाद में भी किया है। माननीय न्यायालय ने संवैधानिक महत्व की पुष्टि की है। 2019 के निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हमारा इतिहास ऐसे कृत्यों से भरा हुआ है जिन्हें नैतिक रूप से गलत माना गया है और यह कहा गया है कि समकालीन कानूनी तंत्र को प्राचीन विवादों को निपटाने का साधन नहीं बनाना चाहिये।

कानून जगत में यह कहा जा रहा है सम्भल की दु:खद घटना का कारण सर्वेक्षण का आदेश है। यह आदेश बहुत ही तीव्र गति से पारित हुआ है। निचली अदालत केवल सुप्रीम कोर्ट के पूर्ववर्ती सर्वेक्षण के आदेश की नजीर के अनुसार आदेश दिया है। मूल कानून तो यही है कि जब जहां पूजा स्थल अधिनियम के तहत उपासना का प्रश्न आता है तो यह धार्मिक चरित्र का हो जाता है और ऐसे सम्पत्ति के विवाद सामान्य रूप से दीवानी केस हैं जो उक्त कानून में अपवाद हैं। ज्ञानवापी और मथुरा के ईदगाह के केस में याचिकायें लम्बित हैं पर फिर भी सर्वेक्षण की अनुमति दी है। ज्ञानवापी मामले में न्यायालय ने कहा है कि मुकदमा हिन्दू देवी देवताओं की पूजा का है मस्जिद को मंदिर में तब्दील करने का नहीं है।

सात प्रावधानों का यह कानून बोध गम्य है जिसका अर्थ है कि "कोई भी व्यक्ति किसी भी धार्मिक सम्प्रदाय या उसके किसी भी वर्ग या किसी अन्य धार्मिक सम्प्रदाय या उसके किसी भी वर्ग के पूजा स्थल में नहीं बदलेगा।"

सम्भल की घटना कोर्ट द्वारा सर्वेक्षण के आदेश के कारण हुई थी। मुस्लिम पक्ष का आरोप है कि याचिका दायर होने के कुछ घण्टों के भीतर एक एडवोकेट को कमिश्नर नियुक्त कर दिया और उसे मस्जिद का सर्वेक्षण करने का निर्देश दे दिया और यह भी बिना दूसरे पक्ष को सुने बिना। सिविल जज ने 29 नवम्बर 2024 तक रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया था। वादी का कथन है कि यह मामला पूर्ववर्ती मामलों जैसा है।

हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि सम्भल की शाही मस्जिद प्रोटेक्ट मोनूमेण्ट है। सर्वेक्षण के आदेश के विरूद्ध मुस्लिम पक्ष ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की और सर्वोच्च न्यायालय की खण्डपीठ ने यह मानते हुये आदेश दिया कि मामला इलाहाबाद न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का है वहां उचित कार्यवाही करें साथ ही यह भी निर्देशन दे दिया कि निचली अदालत में सर्वेक्षण की रिपोर्ट यदि पेश होती है तो उसे सील कवर में ले लें, किन्तु केस में आगे कोई कार्यवाही न करें। केस में जनवरी 2025 की पेशी है। सरकार ने हिंसा की घटना पर कमीशन भी जांच के लिये गठित कर दिया है।

भारत विविधता का देश है। यहां धार्मिक स्थलों से जुडे कई विवाद हैं। साम्प्रदायिक विवाद/दंगे न हों इसलिये उक्त अधिनियम पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ। कई याचिकायें पेश हो चुकी हैं, जिनमें यह कहा गया है कि यह एक्ट लोगों की समानता, जीने के अधिकार और व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता के आधार पर पूजा के अधिकार को हनन करता है।

कुछ याचिकाओं में चुनौती इस आधार पर भी है कि यह अधिनियम व्यक्ति के न्यायालय में जाकर निवारण पाने के अधिकार को समाप्त करता है। इस प्रकार पूजा अधिनियम की धारा 2, 3 व 4 की संवैधानिकता को संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 25 को चुनौती दी है। संविधान की मूल संरचना, प्रस्तावना के विरूद्ध होने के आधार पर तथा वक्फ बोर्ड एक्ट की धारा 107 में दिये गये मुसलमानों व हिन्दू, जैन, बौद्ध, सिखों के धार्मिक अधिकारों में भेदभाव व विरोध पैदा करता है। ये याचिकायें अश्वनीकुमार एडवोकेट (पिटीशन नं. 1246/2020), देवकीनन्दन ठाकुर, सुब्रह्मण्यम स्वामी आदि ने पेश की है। इनकी सुनवाई 12 दिसम्बर 2024 को सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ प्रारम्भ कर रही है।

भारत विविधता का देश है। यहां धार्मिक स्थलों से जुडे कई विवाद हैं। साम्प्रदायिक विवाद/दंगे न हों इसलिये उक्त अधिनियम पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ। कई याचिकायें पेश हो चुकी हैं, जिनमें यह कहा गया है कि यह एक्ट लोगों की समानता, जीने के अधिकार और व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता के आधार पर पूजा के अधिकार को हनन करता है।

राम जन्मभूमि का विवाद तय हो चुका है, किन्तु उस पर यह कानून लागू नहीं था। वर्तमान में वाराणसी ज्ञानवापी व मथुरा स्थित श्रीकृष्ण भूमि विवाद चल रहे हैं। उपरोक्त दोनों जगहों के अतिरिक्त दिल्ली का कुतुबमीनार, आगरा का ताजमहल बदायू कोर्ट में नीलकंठ महादेव जामा मस्जिद का विवाद आदि के मामले हैं। आरोप है कि मुगलकाल में धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किया जाकर निर्माण कार्य हुआ था। जो धार्मिक नैतिकता का नहीं हो सकता।

संभल जिले की जामा मस्जिद से जुडा विवाद गम्भीर विवाद बनकर पैदा हुआ है। कहा गया है कि यहां पहले श्रीहरि हर मंदिर था। मुस्लिम पक्ष कहता है यह उनकी ऐतिहासिक मस्जिद है।

ज्ञानवापी ने हिन्दू पक्ष को पूजा का अधिकार दिया। जिस पर मुस्लिम पक्ष ने कडी आपत्ति उठाई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने Lower कोर्ट के आदेश को सही माना। विवाद चल रहा है।

20 मई 2022 को शीर्ष न्यायालय ने सुनवाई करते हुये कहा था कि पूजा स्थलों की धार्मिक पहचान का निर्धारण करना पूजा स्थलों कानून द्वारा निर्णय नहीं है। अजमेर में जहां ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह स्थित है एक स्थानीय न्यायालय ने दरागाह समिति अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भरतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को नोटिस जारी किये हैं। याचिका में दरगाह को मंदिर घोषित करने की मांग की गई।

ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ये विवाद पूर्व सीजेआई जस्टिस चन्द्रचूड के मौखिक ऑबजरवेशन के परिणामस्वरूप हुये हैं जैसा ऊपर अभिव्यक्त किया है। इसके फलस्वरूप कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पूजा स्थल अधिनियम 1991 के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया है। सन 1991 के कानून को पूर्णता के साथ लागू किया जावे।

जज का मौखिक आबजरवेशन निर्णय का भाग नहीं होता अत: वह प्रिसीडेन्ट (नजीर) नहीं माना जाता है। जैसा ऊपर कहा है कि धार्मिक स्थल की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय शीघ्र सुनवाई करने जा रहा है। यों बाबरी मस्जिद केस में सर्वोच्च न्यायालय ने धार्मिक स्थल एक्ट को वैध माना है ओर सिविल कोर्ट के हस्तक्षेप न करने के प्रावधान को उचित ठहराया है। देश सिक्यूलर (धर्म निरपेक्ष) है और धर्म निरपेक्षता संविधान को बेसिक फीचर है। कुछ दिनों पूर्व दिनांक 6 दिसम्बर 2024 को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश नरीमन ने धर्म निरपेक्षता व संविधान विषय पर वार्ता में बाबरी मस्जिद के केस का रेफरेंस देते हुये कहा था कि संवैधानिक पीठ के कोर्ट के हस्तक्षेप निषेध को सही माना था और Tolerence (सहनशीलता) को भारतीय संस्कृति व परम्परा की देन को अपनाने की आशा की थी।

यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि धर्म स्थल के धार्मिक स्वरूप की पहिचान वैज्ञानिक सर्वे के आधार पर पहिचानी जा सकती है, इसे नियम मानकर कुछ दावे नीचे की अदालतों में पेश हो रहे हैं जहां विवाद है कि हिन्दू व जैन मन्दिरों को तोड़कर अथवा उनके भगनावशेष पर मस्जिदों का निर्माण किया गया है। फलस्वरूप साम्प्रदायिक तनाव बढ़ा है। सम्भल में प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के बीच का दंगा इसी बाबत हुआ है। अजमेर शरीफ की प्रसिद्ध दरगाह के बाबत कहा गया है कि वह शिव मंदिर के मलबे पर बनाई गई थी। निचली अदालत में सिविल वाद पेश हो चुका है, नोटिस जारी हो चुके हैं।

ऐसा माना जाता है कि देश में 40 हजार मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनी थीं। वर्तमान में यह दिखाई दे रहा है कि शायद देश भर में ऐसे अनेक वाद पेश हो सकते हैं और देश का वातावरण तनावपूर्ण होने वाला है। इस प्रवृत्ति को Hydra Heads बहुविधि बुराई कहा जाता है तो अनेक सिर वाले राक्षस के समान है।

भारत जैसे धर्म प्रधान देश में जहां हिंसक व अहिंसक प्रवृत्ति के लोग रहते हैं जहां भारत का संविधान यह कहता है कि भारत के नागरिक का कर्त्तव्य है कि वह प्राणी मात्र के प्रति करूणा का भाव रखेगा, वहां एक धर्म में बकरा ईद पर बकरे की बलि दी जाती है। एक ओर शाकाहारी हैं दूसरी ओर मांसाहारी। वहां शान्ति शायद सरकार स्थापित नहीं कर सकती क्योंकि वह निष्पक्ष नहीं हो सकती, पर देश की सुप्रीम कोर्ट देश में शान्ति के दूत का काम कर सकती है।

प्रश्न है ऐतिहासिक गलतियां हुई हैं। मुगलों ने जो प्रारम्भ में देश में अक्रमणकारी बन गये जिन्हें देश के लोगों ने क्रूर आततायी व लुटेरे, अत्याचारी आदि शब्दों से पुकारा है, उन्होंने धर्मान्धता के नशे में भारतीय धर्मावलम्बियों के विशेषकर हिन्दू मंदिरों को तोड़कर अवशेषों पर मस्जिदों का निर्माण किया। इस कार्य को लोग ऐतिहासिक भूल मानते हैं। अत: मंदिर/मस्जिद के विवाद को हल करने का रास्ता आपसी सहमति से निकलना कठिन प्रतीत होता है। अत: सुप्रीम कोर्ट की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। कोर्ट को यह तय करना होगा कि क्या भूतकाल की गलतियों को वर्तमान में ठीक किया जा सकता है अथवा नहीं? हमें सब विवाद भूलकर आगे बढ़ना है।

धार्मिक स्थल कानून यह घोषण करता है कि 15 अगस्त 1947 के दिन तक जिस धार्मिक स्थल का जैसे मंदिर, मस्जिद, दरगाह, गुरूद्वारा, चर्च, बौद्ध मठ आदि का जो स्वरूप जिस रूप में था वह नहीं बदला जावेगा। इस विषय में कोई भी कोर्ट दखल नहीं करेगी यानी न्यायालय का अधिकार क्षेत्र निषेध किया है। इसका यह अर्थ होगा कि 1991 का कानून एक प्रकार से हमेशा के लिये स्थायी निषेधाज्ञा है। यहां यह भी प्रश्न उठता है कि क्या धार्मिक स्थल कानून जिसे देश में शान्ति स्थापित करने के प्रयोजन से बनाया था, संविधान के अनुसार भी है या नही? यदि स्टे लगाना सही है, तो सर्वे पर भी रोक लगेगी क्योंकि सर्वे के कारण देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ रहे हैं। हाँ, यदि यह माना जाता है कि कानून सही नहीं है तो अन्तहीन विवादों में देश घिर जावेगा। ज्ञानवापी प्रबन्ध कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका प्रस्तुत की है ओर उसमें प्रार्थना की है पूजा स्थल एक्ट को यदि असंवैधानिक मान लिया तो देश में सब जगह विवाद खडे हो जावेंगे।

आपसी सहमति से सब कुछ किया जा सकता है। पूर्व जस्टिस नरीमन के विचारों के अनुसार ऊदतीहम की भावना जो हमारी संस्कृति अस्मिता व परम्परा से प्रेरित है, उसके अनुसार समझौता हो सकता है। मुस्लिम समाज को यह स्वीकार करना होगा कि वे मुगल बादशाहों के प्रतिनिधि नहीं हैं, उस समय के हिन्दू व मुसलमान दोनों ही मुगलराज के समय देश के लोग थे, भारतीय थे। आज भी बन्धुत्व की भावना दोनों में जिन्दा है। राम जन्मभूमि के केस की तरह, मस्जिद व मंदिर की अलग-अलग भूमि को चिन्हित करना होगा और जहां तक सम्भव हो मस्जिद को बचाने का प्रयास हो साथ ही मंदिर का जहां तक सम्भव है पुन: उद्धार किया जावे अथवा यह भी हो कि दोनों में से एक को स्वेच्छा से अन्य सीन पर शिफ्ट किया जावे। देश के 40 हजार मंदिर मस्जिद के मामलों में से सम्भवत: हिन्दुओं की मांग केवल तीन मंदिरों तक ही सीमित। शेष विवाद आपसी सद्भाव से समाप्त माने जावेंगे। विशेष पीठ के समक्ष जो मुकदमों की सुनवाई कर रही है ऐसा समझौता हो सकता है। समझौता ऐतिहासिक होगा।

भारत की गंगा जमुनी संस्कृति की जय हो!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

डॉ. बी. एस. तोमर ग्लोबल नेटवर्क फॉर इनोवेशन (गुनी) की स्ट्रैटेजिक काउन्सिल के उपाध्यक्ष बने

- यूनेस्को के प्रतिष्ठित सहयोगी नेटवर्क का हिस्सा है ग्लोबल यूनिवर्सिटी नेटवर्क फॉर इनोवेशन (गुनी)
- निम्स यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. (डॉ.) बलवीर एस. तोमर ने भारत सरकार की नयी शिक्षा नीति की जमकर सराहना की
- हाल ही में वर्ल्ड हेल्थ समिट के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी चुने गए हैं प्रो. बलबीर सिंह तोमर

निम्स यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. (डॉ.) बलवीर एस. तोमर

जयपुर। पूरे विश्व में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और बेहतर विकास को बढ़ाने में सहायक यूनेस्को के प्रतिष्ठित सहयोगी नेटवर्क का हिस्सा, ग्लोबल यूनिवर्सिटी नेटवर्क फॉर इनोवेशन की स्ट्रैटेजिक कौंसिल परिषद में निम्स यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. (डॉ.) बलवीर एस. तोमर को उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। इतने बड़े संस्थान में उपाध्यक्ष के पद पर उनकी नियुक्ति के रूप में वैश्विक स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। डॉ.तोमर द्वारा लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को विश्वभर में सराहा गया है। उनके अनुभव को देखते हुए ही यह नियुक्ति की गई है। ज्ञात रहे कि पूरे भारतवर्ष से शिक्षा के क्षेत्र में यह पहली नियुक्ति हैं। यह नियुक्ति न केवल भारत के लिए गर्व का विषय है, बल्कि वैश्विक स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य और नवाचार के क्षेत्र में भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी दर्शाती है।

गुनी, उच्च शिक्षा को समाज के समग्र विकास से जोड़ने के लिए कार्यरत है, जो विश्वभर के विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को एक मंच पर लाकर शिक्षा से संबंधित चुनौतियों का समाधान करता है। इस नई भूमिका में प्रो. तोमर का नेतृत्व भारत के साथ-साथ वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। गुनी, ग्लोबल नेटवर्क फॉर इनोवेशन, एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो शिक्षा, एवं सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स एवं में नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इस नेटवर्क का उद्देश्य वैश्विक चुनौतियों का समाधान ढूंढने के लिए सरकारों, शैक्षिक संस्थानों, उद्योगों और अन्य हितधारकों को एक मंच पर लाना है। स्ट्रेटेजिक कौंसिल, गुनी का एक प्रमुख अंग है, जो नीति निर्माण, दिशा निर्धारण और दीर्घकालिक योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. तोमर का इस पद पर चयन यह दर्शाता है कि उनके अनुभव और दृष्टिकोण को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।

डॉ. बी. एस. तोमर: एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व :-डॉ. बी. एस. तोमर का नाम शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व के रूप में जाना जाता है। उन्होंने निम्स यूनिवर्सिटी की स्थापना के माध्यम से हजारों छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है। डॉ. तोमर की नेतृत्व क्षमता और उनके द्वारा किए गए अनेक नवाचारों ने निम्स यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई है। उनके प्रयासों के कारण यह संस्थान केवल एक शिक्षा केंद्र नहीं, बल्कि अनुसंधान और नवाचार का गढ़ बन गया है। निम्स यूनिवर्सिटी के नेतृत्वकर्ता के रूप में डॉ. तोमर ने स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में कई नई पहलें की हैं। उनके प्रयासों के कारण निम्स अस्पताल ने लाखों मरीजों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा प्रदान की है। इसके साथ ही, निम्स यूनिवर्सिटी ने ऐसे पाठ्यक्रम और शोध कार्यक्रम शुरू किए हैं जो छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए सक्षम बनाते हैं।

भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान :-डॉ. तोमर का गुनी की स्ट्रेटेजिक कौंसिल के उपाध्यक्ष पद पर चयन यह दर्शाता है कि भारत न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि नवाचार और वैश्विक सहयोग में भी एक प्रमुख भूमिका निभाने की ओर अग्रसर है। यह नियुक्ति भारत की शिक्षा नीति 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' के उद्देश्यों के साथ भी मेल खाती है, जिसमें नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दी गई है। गुनी के साथ डॉ. तोमर की यह नई भूमिका भारत और अन्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा दे सकती है। यह संगठन शिक्षा, और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं को प्रोत्साहित करता है।

डॉ. तोमर के नेतृत्व में निम्स यूनिवर्सिटी और गुनी मिलकर कई अंतर्राष्ट्रीय शोध परियोजनाओं पर काम करेंगे। इन परियोजनाओं के तहत स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का उपयोग, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएँगे।

डॉ. तोमर की इस नई भूमिका के माध्यम से भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलेगी। उनका अनुभव और दृष्टिकोण भारत के नवाचार मॉडल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने में मदद करेगा। यह नियुक्ति भारत के युवाओं को प्रेरित करेगी और उन्हें वैश्विक स्तर पर अपने कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

प्रो. (डॉ.) बलवीर एस. तोमर, चेयरमैन, निम्स यूनिवर्सिटी का कहना है कि आज भारत की कहानी पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बना रही है। यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जिसे हमें सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के माध्यम से मजबूत करना होगा। उद्योग और सरकार के बीच सहयोग से हम न केवल नए अवसरों का सृजन करेंगे, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

लाडपुरा से भीलवाड़ा एनएच-758 की 60 किमी दो लेन सड़क कई जगह से क्षतिग्रस्त

- सुविधाओं का अभाव, फिर भी दो लेन सड़क पर टोल शुल्क फोरलेन का वसूला जा रहा है
- आठ वर्षों में टोल प्लाज़ा पर सड़क निर्माण की लागत से भी अधिक राशि वसूल कर ली गई है

मांडलगढ़ से भीलवाड़ा एनएच 758 सड़क मार्ग कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ लाडपुरा से भीलवाड़ा तक 60 किलोमीटर सड़क मार्ग विगत 8 साल से नेशनल हाइवे 758 घोषित चला आ रहा है, लेकिन मौक़े पर टू लेन सड़क होने के बावजूद वाहनों से नेशनल हाइवे के नियमों से सड़क का वाहनों से टोल वसूला जा रहा है। गत 8 वर्षों में टोल प्लाज़ा पर सड़क निर्माण की लागत से भी अधिक राशि वसूल कर ली गई है। वहीं एनएचएआई के अधिकारियों की कथित लापरवाही के चलते रखरखाव के अभाव में सड़क दुर्दशा का शिकार हो रही है। नेशनल हाइवे की यह टू लेन सड़क कई जगह से क्षतिग्रस्त होने से दो साल में सैकड़ों हादसे हो चुके हैं। जिसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है।

किसान कांग्रेस नेता मुनीर लोहार का कहना है कि लाडपुरा से बीगोद तक तो सड़क बजरी, धूल, कंक्रीट और गन्दगी से अटी पड़ी है। सड़क के दोनों किनारों पर बंबूल की झाड़िया सड़क पर लटकी हुई होने के साथ सड़क की जेबरा लाइनिंग भी मिट चुकी है। त्रिवेणी में सड़क किनारे बने टॉयलेट पर ताले लटके पड़े हैं, सड़क पर अंग्रेजी बबूल, झाड़ियां, लटकी हुई है। बीगोद और होडा के बीच सड़क पर बजरी और धूल-मिट्टी पसरी हुई है। डिवाइडर पर लगी रोड लाइट बन्द ही रहती है। सड़क पर लगे दिशासूचक और गांव शहर के प्रदर्शन बोर्ड झाड़ियों से अटे पड़े हैं। सड़क मार्ग के रखरखाव के लिए एनएचएआई की कोई पेट्रोलिंग नहीं की जाती हैं। एनएचएआई के लापरवाह अधिकारियों के चलते ये सब गम्भीर समस्याएं उतपन्न हुई हैं, जिसका खामियाजा सड़क पर गुजरने वाले वाहनधारी उठा रहे हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर मूंदड़ा ने बताया कि बीगोद कस्बे में सड़क और नाला निर्माण 8 साल से अधूरा पड़ा हुआ है। आबादी क्षेत्र की सड़क सीमा में कई अतिक्रमण और पक्के अवैध निर्माण होने से भी हादसे होने लगे हैं। सफाई के आभाव में सड़क पर बजरी धूल और गन्दगी पसरी हुई है। सड़क का निर्माण विगत 8 वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है। सड़क किनारे नाले के ढक्कन कई जगह से क्षतिग्रस्त हो जाने से कई बार मवेशी फँस चुके हैं।

लाडपुरा-भीलवाड़ा निर्मित सड़क का निर्माण बीगोद कस्बे में अधूरा होने के बावजूद भी एनएचएआई ने पूर्ण बता दिया और मौक़े पर अधूरे सड़क निर्माण व नाला निर्माण नहीं होने से लोगों के घरों में बारिश का पानी भर जाता है, जिससे कई बार आर्थिक नुकसान भी हुआ है। इस मामले को लेकर तत्कालीन सांसद और जिला प्रशासन ने एनएचएआई के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया। लेकिन समस्या ज्यूँ की त्युं बनी हुई हैं। लाडपुरा, मांडलगढ़, त्रिवेणी, बीगोद के आबादी क्षेत्र में कई जगह पक्के निर्माण बढ़ते जा रहे हैं, जिससे सड़क संकरी होती जा रही है और आए दिन हादसे हो रहे हैं। वहीं कई जगह अघोषित स्पीड ब्रेकर बना दिए गए हैं। इस मार्ग पर मांडलगढ़ से 5 किलोमीटर पर होड़ा गांव के पास टोल प्लाजा पर वाहन धारियों से नेशनल हाइवे के नियम से टोल वसूली की जा रही हैं, फिर भी सड़क की मरम्मत और सुविधाओं का काम एनएचएआई के अधिकारी नहीं करा पाए हैं।

एनएच के सूत्रों ने बताया कि सड़क के रखरखाव की टेंडर प्रक्रिया एक साल पेंडिंग चली आ रही है। ऐसे में इस मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों वाहन चालकों और यात्रियों को खराब सड़क पर टोल देकर भी परेशानी झेलनी पड़ रही है, जिसका समाधान जल्द किया जाएगा।

मसूदा पालिका में कर्मचारियों की कमी, ग्रामीण परेशान

- मसूदा नगर पालिका तो बन गई, लेकिन उसका लाभ जनता को नहीं मिल रहा है

मसूदा, (निसं)। मसूदा कस्बे को ग्राम पंचायत से नगर पालिका क्रमोन्नत किए जाने से ग्रामीणों को कस्बे के विकास कार्यों की उम्मीद बनी थी कि इससे कस्बे के विकास में नए आयाम स्थापित होंगे, लेकिन कस्बे में नगर पालिका का अधिकारी पदस्थापित कर दिए जाने एवं दो कार्मिकों को प्रतिनियुक्ति पर दो दिन के लिए कस्बे का कार्य करने के लिए लगा दिए जाने के बाद भी इस नगर पालिका के दरवाजे अधिकांश बंद ही मिलते हैं।

मसूदा नगर पालिका तो बन गई लेकिन उसका लाभ जनता को नहीं मिल रहा है जिससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के रोजमर्रा के कार्य जिसमें नल कनेक्शन, बिजली कनेक्शन लेना, राशन कार्ड से नाम हटाना व जोड़ना, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, जन आधार सहित कई कार्य के लिए ग्रामीण चक्कर लगाते नजर आ रहे हैं, लेकिन ग्रामीणों का ना तो कोई कार्य हो रहा है और नही ग्रामीणों को कोई जानकारी मिल पा रही है जिससे परेशान होकर ग्रामीण यह कहते नजर आए कि इससे तो ग्राम पंचायत ही ठीक थी जहां आने पर कार्य के संबंध में जानकारी भी मिल जाती थी और कार्य भी हो जाता था। लेकिन अब नगर पालिका बन जाने से ग्रामीणों के कार्य स्थिर हो गए है। कस्बेवासियों को ग्राम पंचायत से नगर पालिका में क्रमोन्नत हो जाने पर कई अपेक्षाएं थीं कि अब नगर पालिका बन जाने के बाद कस्बे में साफ सफाई बिजली सहित उचित यातायात व्यवस्था मिल पाएगी, लेकिन ग्राम पंचायत के नगर पालिका में क्रमोन्नत हो जाने एवं अधिशासी अधिकारी के द्वारा अपना पदभार भी गत 13 अक्टूबर को ही ग्रहण कर लेने के बाद भी ग्रामीणों को नगर पालिका बनने के अब तक किसी भी प्रकार का कोई कार्य होता नजर नहीं आ रहा है। उल्टा ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस संदर्भ में संबंधित अधिशासी अधिकारी रेखा जैसवानी ने बताया कि जन्म-मृत्यु के लिए जयपुर से कोई परेशानी आ रही है जिससे जन्म-मृत्यु का कार्य में विलंब हो रहा है। वहीं नल कनेक्शन के लिए जारी किए जाने वाले अदेय प्रमाण पत्र के संदर्भ में बताया कि पालिका के कनिष्ठ अभियंता द्वारा रोड कटिंग का एस्टीमेट बनाकर दिए जाने के बाद ही नल कनेक्शन के लिए अदेय प्रमाण पत्र जारी किया जा सकता है।

राशिफल शुक्रवार 13 दिसम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, भरणी नक्षत्र प्रात: 7:50 तक, शिव योग दिन 11:54 तक, कौलव करण प्रात: 9:04 तक, चन्द्रमा दिन 1:14 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:50 से शनिवार प्रात: 5:48 तक है। आज प्रदोष व्रत, कृत्तिका दीपम है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:28 तक, लाभ-अमृत 8:28 से 11:03 तक, शुभ 12:21 से 1:48 तक, चर 4:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:11, सूर्यास्त 5:31

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव और भागदौड़ से राहत मिलेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक/वित्तीय मामलों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में दुर्घटना का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। अपने अति आवश्यक कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

वृश्चिक

स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय महत्वपूर्ण कार्यों में व्यतीत होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 41 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 13 दिसम्बर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

केजरीवाल के सामने संदीप दीक्षित को उतारेगी कांग्रेस दिल्ली के चुनाव में

संदीप की मां शीला दीक्षित, पन्द्रह साल दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थीं, पर उन्हें हराकर केजरीवाल ने धमाका किया था, तथा आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। दिल्ली विधानसभा के चुनावों में नई दिल्ली सीट से संदीप दीक्षित अरविंद केजरीवाल का मुकाबला करेंगे।

संदीप दीक्षित दिल्ली पर 15 साल राज करने वाली शीला दीक्षित के पुत्र हैं। शीला दीक्षित को ही हरा कर अरविन्द केजरीवाल भारी बहुमत से दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुए थे।

चूंकि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच दिल्ली में कोई गठबंधन नहीं है इसलिए कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस का एक बड़ा तबका भी ऐसा ही चाहता है।

गुरुवार को हुई कांग्रेस की सैंट्रल इलैक्शन कमेटी बैठक में कांग्रेस ने 21 सीटों पर टिकट फाइनल कर दिए, शेष पर विचार चल रहा है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव बदली से चुनाव लड़ेंगे। इससे यह सवाल पूछा जा रहा है कि अगर प्रदेश अध्यक्ष खुद चुनाव लड़ेंगे तो पार्टी को कौन देखेगा। रोचक बात यह है कि पी. सी. सी. प्रमुख पंजाब में कांग्रेस के प्रभारी भी हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित ही है आगामी विधानसभा चुनाव में, आप व कांग्रेस में कोई चुनावी गठबंधन या चुनावी समझौता नहीं है, और दोनों पार्टियां आमने-सामने चुनाव लड़ेंगी।
- कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति ने दिल्ली के विधानसभा चुनाव के लिए इक्कीस उम्मीदवारों की लिस्ट फाइनल भी कर दी है।
- दिल्ली के प्रदेशाध्यक्ष देवेन्द्र यादव बदली से चुनाव लड़ेंगे। देवेन्द्र यादव पंजाब के प्रभारी भी हैं।
- अब सवाल यह है कि क्या इन तीनों भूमिकाओं के साथ देवेन्द्र यादव न्याय कर पाएंगे?
- पर, क्या, पार्टी नई नियुक्तियां कर संगठन व पार्टी के रिक्त पद भरने की हिम्मत जुटा पायेगी?

सिंधिया से माफी मांगी कल्याण बनर्जी ने

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से अपनी टिप्पणी के लिए और दोनों नेताओं के विवाद के कारण लोकसभा स्थगित होने के लिए सदन से भी माफी मांगी।

गुरुवार को सदन की शुरूआत के साथ ही कुछ भाजपा सदस्यों ने यह मुद्दा उठाया तो स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि बनर्जी ने लिखित में माफी मांगी है।

- बुधवार को संसद में तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर अभद्र टिप्पणी कर दी थी, जिसके बाद कल सदन स्थगित हो गया था। इसके बाद बनर्जी ने लिखित में माफी मांगी।

बिड़ला ने कहा कि बुधवार को सदन में जो कछ भी हुआ वह दुर्भाग्य पूर्ण था किसी भी सदस्य को दूसरे पर ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

स्पीकर ने कहा कि मतभेद या सहमति लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अंग है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किसी भी तरह के सर्वे, धार्मिक स्थान के ''कैरैक्टर'' (व्यक्तित्व) को चुनौती देने वाले नये मुकदमें दर्ज नहीं होंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कि जब तक वह 1991 एक्ट की वैधता के बारे में अपना निर्णय नहीं सुनाता, इस मसले पर कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं कराया जा सकता

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरूवार को पूरे देश ट्रायल अदालतों को निर्देश दिये कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप (स्पेशल प्रॉविज़न्स) एक्ट, 1991 के तहत, मौजूदा ढ़ाचों के विवादास्पद धार्मिक चरित्र से सम्बन्धित केसों में सर्वे तथा प्रभावी आदेश पर रोक लगा दे।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति पी.वी. संजयकुमार तथा के.वी. विश्वनाथन की बैंच ने कहा कि अधिनियम इस प्रकार के मुकदमों तथा कार्यवाहियों का साफतौर पर निषेध करता है।

शीर्ष अदालत ने जोर देते हुये कहा कि जब तक 1991 के अधिनियम की वैधता तय नहीं हो जाती, कोई भी नया केस दायर नहीं हो सकता और न विचाराधीन केसों में अन्तिम आदेश ही दिये जा सकते हैं। बैंच ने आदेश दिया, ''चूँकि यह प्रकरण इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है, हम यह निर्णय देना उचित समझते हैं कि कोई नया केस दर्ज नहीं होगा तथा किसी भी कार्यवाही के आदेश नहीं दिये जायेंगे। विचाराधीन प्रकरणों में अदालतें कोई भी प्रभावी या अन्तिम आदेश पारित नहीं करेंगी।''

न्यायिक क्षेत्राधिकार के सरोकारों को सम्बोधित करते हुये, बैंच ने कहा, ''जब कोई मामला हमारे पास विचाराधीन है, क्या किसी अन्य अदालत के लिये उसका निरीक्षण परीक्षण करना न्यायोचित एवं उचित है?

1991 का अधिनियम सभी धार्मिक स्थलों की उसी स्थिति को यथावत बनाये रखने के लिये कहता है, जो 15 अगस्त,1947 को थी तथा उनके स्वरूप से सम्बन्धित विवादों पर विचार करने से अदालतों को रोकता है। यह अधिनियम कहता है कि राम जन्मभूमि स्थल, जिसे अधिनियम के प्रावधानों से विशेष रूप से बाहर रखा गया है, के अलावा, सभी विचाराधीन केस समाप्त कर दिये जाये।

सर्वोच्च न्यायालय ने 2019 के अपने अयोध्या वाले फैसले में, पहले ही इस अधिनियम की पुष्टि कर दी थी। अदालत ने विवादित स्थल को रामलला को देते हुये, इस बात को दोहराया था कि इसी प्रकार के अन्य विवादों पर,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, जब तक 1991 के एक्ट की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय नहीं आता, यह 1991 का एक्ट ''सब जुडिस'' है, इस मसले पर कोई नया मुकदमा रजिस्टर नहीं किया जा सकता और न ही कोई अधीनस्थ न्यायालय किसी भी प्रकार का निर्णय सुना सकता है।

प्रदेश की बार एसोसिएशनों के चुनाव आज, मतगणना शनिवार को

जयपुर, 12 दिसम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और दी बार एसोसिएशन सहित, प्रदेश की करीब 230 बार एसोसिएशनों के वार्षिक चुनाव शुक्रवार को आयोजित किए जाएंगे, जिनमें हजारों वकील अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए चुनाव संचालन समितियों से सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली हैं।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के चुनाव में 5,716 मतदाता मतदान करेंगे, जबकि दी बार एसोसिएशन, जयपुर चुनाव में 4,880 मतदाता और दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन में 1831 मतदाता मतदान करेंगे। चुनाव संचालन समिति के मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कर्नल ने बताया कि मतदान सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक किया जाएगा। पांच बजे तक जो भी वकील कतार में होंगे, उनको वोट डालने की अनुमति रहेगी। वहीं, उप चुनाव अधिकारी सारिका चौधरी ने बताया कि निष्पक्ष चुनाव के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुबह आठ से सायं 5 बजे तक मतदान होगा। निष्पक्ष चुनाव के लिए जगह-जगह सी.सी.टी.वी. कैमरे व स्क्रीन लगाई गई हैं।

आदर्श क्रेडिट सोसायटी मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर, 12 दिसंबर। ई.डी. मामलों की विशेष अदालत ने आदर्श क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी मामले में मीनाक्षी मोदी, नेहा मोदी, ललिता राजपुरोहित और विनय के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। वहीं, अदालत ने प्रियंका मोदी के खिलाफ समन जारी कर मुम्बई पुलिस कमिश्नर को तामील कराने के लिए कहा है। ई.डी. ने अपने शिकायत अभियोजन में इन्हें आरोपी बनाया था।

- अदालत ने मीनाक्षी मोदी, नेहा मोदी, ललिता राजपुरोहित व विनय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट तथा प्रियंका मोदी के खिलाफ सम्मन जारी किया।

गौरतलब है कि ई.डी. ने अपनी जांच में 38 सौ करोड़ रुपए से अधिक के अनियमित लेनदेन का पता लगाया था। जांच में सामने आया था कि मुख्य आरोपी मुकेश मोदी ने अपने रिश्तेदारों और सहयोगियों से मिलीभगत कर निवेशकों के खातों से पैसा निकाला और बाद में इंटर लिंक फर्जी लेनदेन के जरिए फर्जी लोन बांट दिए। मामले में ई.डी. करोडों रुपए की संपत्ति को भी अटैच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देश बिकने नहीं देंगे'

संसद में विरोध जताने के अनूठे तरीके निकाले विपक्षी सांसदों ने

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। आज अनेक विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। ये लोग अपने हाथों में हिन्दी के अलग-अलग अक्षर लिखी हुई तख्तियाँ लिये हुये थे, जिन्हें मिलाकर पढ़ने से यह वाक्य बन रहा था-''देश बिकने नहीं देंगे''। विपक्षी सांसद अडानी मुद्दे की जाँच-पड़ताल के लिये संयुक्त संसदीय समिति की अपनी माँग को दोहराते हुये नारे लगा रहे थे।

अडानी मुद्दे को लेकर, कांग्रेस के नेतृत्व में असाधारण रूप से रोजाना चल रहे प्रदर्शनों की श्रंखला में, आज का प्रदर्शन एक नयी कड़ी था।

कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी, द्रमुक तथा वामपंथी दलों सहित, अन्य विपक्षी दलों के सदस्य संविधान सदन के सामने मकर द्वार की सीढ़ियों पर खड़े थे। अधिकांश सांसद हाथों में तख्तियाँ लिये हुये थे, जिन्हें एक साथ पढ़ने पर ''देश बिकने नहीं देंगे'' नारा बन रहा था।

ये लोग मोदी तथा अडानी के बीच कथित मिली भगत के खिलाफ नारे लगा रहे थे तथा इस मामले में जॉइन्ट पार्लियामेन्ट्री कमेटी (जे.पी.सी.) जाँच की माँग कर रहे थे।

बुधवार को, बहुत से विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में भाजपा सांसदों का अभिवादन किया और उन्हे तिरंगा बना हुआ कार्ड तथा गुलाब का फूल दिया। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि अडानी प्रकरण सहित, सभी मुद्दों पर चर्चा हो तथा संसद की कार्यवाही चले।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जब वे संसद के मुख्य भवन में प्रवेश कर रहे थे, को कार्ड के रूप में तिरंगा भेंट किया।

मंगलवार के दिन, विपक्षी सांसद गहरे नीले रंग का ''झोला'' लिये हुये थे, जिस पर एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उद्योगपति गौतम अडानी के व्यंग्य-चित्र बने हुये थे तथा दूसरी तरफ ''मोदी-अडानी भाई-भाई'' लिखा हुआ था।

सोमवार को, इंडिया ब्लॉक के कुछ नेताओं ने अडानी विवाद पर पार्लियामेन्ट परिसर में विरोध प्रदर्शन किया था। इसी के साथ, इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने एक मॉक ''इन्टरव्यू'' आयोजित किया था। इस दौरान, कांग्रेस सदस्य मोदी और अडानी के मास्क पहने हुये थे।

पार्लियामेन्ट परिसर में, अडानी के मुद्दे पर विपक्ष का प्रदर्शन शीतकालीन सत्र के आरम्भ से ही चल रहा है।

अमेरिकन अदालत में अडानी तथा कम्पनी के अन्य अधिकारियों के अभियोग के बाद, कांग्रेस तथा कुछ अन्य विपक्षी दल जे.पी.सी. जाँच की माँग करते आ रहे हैं।

कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका की अदालत द्वारा अडानी पर लगाया गया अभियोग विभिन्न ''घोटालों'', जिनमें यह अरबपति व्यवसायी लिप्त है, की जे.पी.सी. जाँच की उसकी (कांग्रेस) की माँग को उचित ठहराता है।

राहुल गांधी ने अडानी की तत्काल गिरफ्तारी की माँग की है। अडानी ग्रुप ने इन सभी आरोपों को ''निराधार'' बताते हुये, खारिज कर दिया है।

- आज विपक्षी सांसद संसद परिसर में हिन्दी के अलग-अलग अक्षर लिखी हुई तख्तियां लिए हुए नज़र आए, इन पर लिखे शब्दों को एक साथ पढ़ने पर पता चला कि यह वाक्य है ''देश बिकने नहीं देंगे।''
- अडानी के खिलाफ जांच की मांग करते हुए विपक्षी सांसदों ने बुधवार को भाजपा सांसदों का अभिवादन किया तथा उन्हें तिरंगे का कार्ड और गुलाब का फूल दिया। जब रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में प्रवेश किया तो राहुल ने खुद उन्हें गुलाब और तिरंगा दिया।
- इससे पहले मंगलवार को विपक्षी सांसद गहरा नीला ''झोला'' लेकर आए जिसके एक तरफ मोदी अडानी के रेखाचित्र बने थे व दूसरी ओर लिखा था, मोदी-अडानी भाई-भाई।

'भारत में प्रदूषण से 2009-2019 में 15 लाख मौतें हुई'

यह दावा करते हुए लैन्सैट प्लैनेटरी हैल्थ जर्नल ने चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत की

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। लैन्सैट प्लैनेटरी हैल्थ जर्नल ने एक भयावह परिदृश्य के बारे में बताया है : भारत में 2009 से 2019 के बीच, हर वर्ष, लंबे समय तक, पी.एम. 2.5 पोल्यूशन के संपर्क में रहने के कारण, लगभग 15 लाख लोग मर चुके हैं।

शोधकर्ताओं, जिनमें अशोका युनिवर्सिटी एवं नई दिल्ली स्थित सैंटर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती पेपर लीक मामले में सोलह आरोपियों को जमानत, एक को राहत नहीं

अदालत ने आरोपियों को एक लाख रुपये के बॉण्ड और 50 हजार रुपये की दो गारंटियों पर जमानत दी है

जयपुर, 12 दिसंबर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में 17 आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। वहीं अदालत ने भर्ती में नकल कराने के आरोपी सुरेश साहू की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में अभी तक एस.ओ.जी. ने कुल 87 आरोपियों को हिरासत में लिया था, जिसमें से 57 स्वयं को एस.आई.अभ्यर्थी या छात्र बता रहे हैं। इनमें से 10 को 22 नवम्बर को जमानत मिल गई थी और आज अदालत के आदेश के बाद अब तक 26 अभ्यर्थियों को पेपर लीक और नकल बताया जा रहा है कि बचे हुए 31 छात्रों का मामला इसी कैंडिडेट का है।

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि उनके मुवक्किल पर आरोप है कि उन्होंने परीक्षा पेपर प्राप्त करने के बाद वॉट्सऐप पर हल करके उन्हें बता दिया था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि एस.ओ.जी. के आरोप के अनुसार परीक्षा शुरु होने से डेढ़ घंटे पहले ही उनको पेपर समझा देना गैर बाजिब है और इस संदर्भ में कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नही किया गया है। याचिकाकर्ताओ का कहना था कि उनके सह अभियुक्त करण पाल गोदारा, एकता, मनोहरलाल, सुरेन्द्र कुमार, प्रेम सुखी, अभिषेक विश्नाई, राजेश्वरी, नीरज कुमार और प्रवीण कुमार को पहले ही जमानत मिल चुकी है।

मामले में स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर अनुराग शर्मा ने बताया कि आरोपी विवेक भांबू पहले ही स्वत: ही जानकारी दे चुका है कि उसका भाई पंकज ने उसे बताया था कि वह उसे परीक्षा के पहले मोबाईल फोन देगा और परीक्षा शुरू होने से पहले फोन पर पेपर सॉल्व करके देगा। उन्होंने कहा कि आरोपी से मोबाईल फोन व कुछ दस्तावेज प्राप्त हुए हैं जिन्हें एफएसएल को भेजा गया है।

- आज अदालत के आदेश के बाद अब तक 26 अभ्यर्थियों को पेपर लीक और नकल व चीटिंग के मामले में जमानत मिल चुकी है।

उन्होंने बताया कि एक अभियुक्त श्रवण कुमार विश्नोई के पास एक स्लिप भी प्राप्त हुई है जिसमें पेपर खरीदने के लिये 20 लाख रुपये देने की बात की है जिसमें से 10 लाख रुपये जगदीश विश्नोई को उसके फार्म हाउस पर देने की बात लिखी गई है। अनुराग शर्मा ने अदालत को बताया कि एफएसएल रिपोर्ट में यह सिद्ध हुआ है कि लिखावट आरोपी का ही था।

अन्य आरोपियों ने भी पूछताछ के दौरान नकल और पेपर खरीदने की बात मानी थी, और उनसे बरामद दस्तावेजों की जांच में यह बात साबित हो गई है कि इन पर आरोपियों की ही लिखावट है।

अदालत ने कहा कि मामले की पत्रावली को देखने से स्पष्ट है कि याचिकाकर्ताओं का मामला भी उन अन्य सह आरोपियों के समान है, जिन्हें पूर्व में जमानत मिल चुकी है। इसलिए याचिकाकर्ताओं को भी जमानत दिया जाना उचित होगा। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता माधव मित्र व एसआर बाजवा ने कहा कि आरोपी लंबे समय से जेल में हैं। मामले में चालान पेश हो चुका है और अन्य कोई अनुसंधान नहीं है। इसलिए उन्हें जमानत दी जाए।

अदालत ने तथ्यों को सुनने के बाद आरोपी विवेक भांबू, श्रवण कुमार विश्नोई, रेणु कुमारी, नरेश कुमार, अजय विश्नोई, नानगी कुमारी, दिनेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार बगड़िया, दिनेश विश्नोई, मालाराम, सुभाष विश्नाई, प्रियंका कुमारी, राकेश, मंजू देवी, सुरजीत सिंह यादव और गोपीराम जांगू को एक लाख रुपये के बांड और 50 हजार रुपये की दो गारंटियां जिस पर निचली अदालत संतुष्ट हो, पर जमानत दे दी है।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोपी अध्यापक को सात साल की सजा

न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए लिखा कि आरोपी अध्यापक ने गुरु-शिष्य के पवित्र संबंध को कलंकित किया है

अजमेर, (कासं)। पॉक्सो कोर्ट ने 10 साल की नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोपी अध्यापक को सात साल की सजा सुनाई है। आरोपी टीचर पर 55 हजार का जुर्माना भी लगाया है। न्यायालय ने टिप्पणी करते हुए लिखा कि आरोपी अध्यापक ने गुरु-शिष्य के पवित्र संबंध को कलंकित किया है।

- पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी टीचर पर 55 हजार का जुर्माना भी लगाया है
- अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में 11 गवाह और 32 दस्तावेज पेश किए गए

सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि गुरुवार को पॉक्सो कोर्ट संख्या एक के न्यायाधीश राजीव कुमार बिजलानी ने नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी अध्यापक को सात साल की सजा सुनाई है। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 11 गवाह और 32 दस्तावेज पेश किए गए थे। पीड़िता ने अपने बयानों में बताया था कि जब वह स्कूल गई थी टीचर ने दोपहर में उसे क्लास में बुलाकर उसके साथ छेड़छाड़ की थी। सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि विद्यार्थी और शिक्षक का रिश्ता बहुत ही संवेदनशील होता है। शिक्षक जो एक गुरु है, जिसे भगवान से ऊपर का दर्जा दिया जाता है। अपने बच्चों को माता-पिता बहुत ही विश्वास के साथ विद्यालय में पढ़ने के भेजते हैं। ताकि उनका बच्चा अच्छे संस्कार अपने गुरु से सीख सके, ऐसे गुरु शिष्य के पवित्र संबंध को अभियुक्त ने कलंकित किया है। माता-पिता के विश्वास को तोड़ा है, यदि नर्मी का रुख अपनाया जाता है, तो उससे समाज में गलत संदेश जाएगा और परिजन अपनी बच्चियों को शिक्षा के मंदिर में भेजने से संकोच करने लगेंगे। ऐसे अपराध के विरुद्ध नरमी का रुख अपनाया जाना न्याय का उचित प्रतीत नहीं होता। अंत कठोर दंड से दंडित किया जाए।

सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि जिला ब्यावर के मसूदा थाने में 29 अक्टूबर 2023 को मामला दर्ज हुआ था, जिसमें पीड़ित परिवार ने शिकायत देकर बताया कि उसकी 10 वर्षीय बेटी गांव में स्थित सरकारी स्कूल में पढ़ रही है। 23 अक्टूबर को उसकी पुत्री स्कूल पढ़ने गई तभी स्कूल टीचर ने अपने पास बुलाया और उसके साथ छेड़छाड़ की गई। बेटी घर रोते हुए पहुंची और कहा कि मुझे स्कूल नहीं जाना है, पहुंचने पर उसने अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया था। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र भी पेश किया गया।

हत्या के पांच साल पुराने मामले में आरोपी को आजीवन कारावास

झुंझुनूं, (निसं)। एससी/एसटी कोर्ट ने एक पांच साल पुराने मामले में एक आरोपी को आजीवन कारावास तो शेष चार आरोपियों को तीन-तीन माह के कारावास के साथ अर्थदंड की सजा सुनाई है।

- शेष चार आरोपियों को तीन-तीन माह के कारावास के साथ अर्थदंड की सजा सुनाई
- ठंडी पकौडी देने को लेकर अगस्त 2019 में विवाद हो गया था, जिसमें मारपीट में एक युवक की मौत हो गई थी

विशिष्ट लोक अभियोजक एडवोकेट विनोद वर्मा ने बताया कि उदयपुरवाटी थाने में श्रीमाधोपुर के जयरामपुरा निवासी मोतीराम मीणा ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि उसका बेटा सचिन अपने दोस्तों के साथ कोट बांध घूमने आया, जहां पर रामावतार गुर्जर की दुकान थी। सचिन ने पकौड़ी मांगी तो रामावतार गुर्जर ने उसे ठंडी पकौड़ी देनी चाही। ठंडी पकौड़ी को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद रामावतार गुर्जर व उसके साथ पिंटू गुर्जर, रतनलाल आदि ने उसके बेटे सचिन के साथ बेरहमी के साथ मारपीट की, जिससे सचिन की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों हरजनपुरा थाना थोई निवासी रामावतार गुर्जर, ढाणी गैरोठ तन कोट निवासी मोहनलाल, रतनलाल, फूलचंद और पिंटू गुर्जर को गिरफ्तार किया।

इसके बाद न्यायालय में चालान पेश किया गया। मामले में 18 गवाह प्रस्तुत किए गए। वहीं दोनों पक्षों की ओर से कुल 40 साक्ष्य प्रस्तुत किए। इनमें से मौके के पांच चश्मदीद गवाहों के बयानों को महत्वपूर्ण मानते हुए और दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद एससी/एसटी कोर्ट की विशिष्ट न्यायाधीश सरिता नौशाद ने पिंटू गुर्जर को हत्या का दोषी मानते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा और 50 हजार रूपए के जुर्माने से दंडित किया। वहीं फूलचंद, रतनलाल, मोहनलाल तथा रामावतार को भी तीन-तीन माह की सजा सुनाते हुए अर्थदंड से दंडित किया है।

42 लाख रुपये की साइबर ठगी का तीसरा आरोपी गिरफ्तार

पकड़े गये आरोपी ने नेट बैंकिंग के माध्यम से फरियादी के खाते से ठगी की थी

कोटा, (निसं)। ऑपरेशन एंटी वायरस के दौरान साइबर अपराधियों के विरूद्ध साइबर थाने की पुलिस टीम ने नेट बैंकिंग के माध्यम से एक फरियादी के खाते से 42 लाख रूपये की साइबर ठगी के मामले में फरार चल रहे तीसरे शातिर ठग को गिरफ्तार किया है।

- पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया

शहर पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि बताया कि 22 अगस्त को फरियादी प्रतीक द्वारा दर्ज करवाये गये 42 लाख की साइबर ठगी के प्रकरण में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व एवं साइबर थाना के थाना अधिकारी सतीशचंद के सुपरविजन में टीम का गठन कर मामले में फरार चल रहे तीसरे शातिर ठग रायसिंह नगर जिला गंगानगर निवासी मनिन्दर सिंह को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी ने नेट बैंकिंग के माध्यम से फरियादी के खाते से ठगी की थी। मामले में सामने आया कि आरोपी ने साइबर ठगी के 28 लाख 71 हजार 787 रूपये अपने बैंक खाते में जमा कराकर अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर कर फरियादी प्रतीक से ठगी करना पाया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमाण्ड पर लिया गया। रिमाण्ड के दौरान साइबर ठगी की राशि व घटना में शामिल अन्य साइबर ठगों के मामले में पूछताछ की जायेगी। मामले में पूर्व में दो आरोपी हनुमानगढ़ रोड निवासी रोहित गोयल (32) और विवेकानंद कॉलोनी निवासी हर्षराज (18) को गिरफ्तार किया जा चुका है।

यह था मामला :- फरियादी प्रतीक ने 22 अगस्त को साइबर थाना में एक रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि वह बैगलोंर में प्राइवेट नौकरी करता है और उसका एक बचत खाता एक्सिस बैंक शाखा गुमानपुरा कोटा में है। जिसमें उसकी सैलरी जमा होती है। उस खाते में लगभग 42 लाख रूपये जमा थे। फरियादी ने रिपोर्ट में बताया कि 19 मई को जब उसने अपनी बैंक पास बुक में एंट्री करवाई तो उसे ज्ञात हुआ कि 26 अप्रैल से 10 मई के बीच में 27 ट्रांसजेक्शन हुये, जिसमें 42 लाख 1 हजार 169 रूपये की निकासी हुई है, जो नेट बैंकिंग के माध्यम से हुई है, जबकि उसने उक्त रकम की निकासी नहीं की। फरियादी ने कहा कि उसके खाते से अज्ञात व्यक्तियों से धोखाधड़ी कर रूपये निकाले हैं, जिस पर मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए गये और पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद फरार चल रहे आरोपी मनिन्दर (19) को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के अंदर शादी का झांसा देकर करीब चार साल तक एक युवती का दुष्कर्म करने तथा उसका मोबाइल एवं सोने-चांदी के आभूषण भी हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी के अनुसार झुंझुनूं कोतवाली पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

आरोपी विक्की पुत्र रामस्वरूप मेघवाल है तथा इस मामले में अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। झुंझुनूं में रहने वाली युवती ने पुलिस को लिखित में बताया कि गत चार वर्ष पहले विक्की से युवती की जान पहचान हो गई। वह चार साल से युवती के साथ शादी का झांसा देकर देहशोषण करता रहा। अक्टूबर के महीने में शादी से इनकार कर दिया।

उससे पहले युवती का मोबाइल वह सोने-चांदी के जेवरात हड़प लिए थे। युवती विक्की के घर गई तो उसके परिवार वालों ने मारपीट की तथा कपड़े फाड़ दिए और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस को रिपोर्ट मिलते ही जांच शुरू कर विक्की को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया तथा अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

स्मैक सहित एक गिरफ्तार

शाहपुरा, (निसं)। पुलिस थाना शाहपुरा द्वारा केकड़ी रोड चम्बल चौराहा शाहपुरा पर बिना लाईसेंस व परमीट अवैध मादक पदार्थ स्मैक रख परिवहन करने के मामले में अब्दुल सत्तार उर्फ छोटू देशवाली फुलिया गेट शाहपुरा से अवैध मादक पदार्थ स्मैक जप्त कर गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा आरोपी से खरीदने व बेचने वालो के सम्बन्ध में जांच शुरू की। आरोपी की गिरफ्तारी में थानाधिकारी माया बैरवा, हैड कांस्टेबल, बनय सिंह, कांस्टेबल श्रीदेवनारायण, बनवारी लाल कांस्टेबल का विशेष योगदान रहा।

हाईकोर्ट ने विशेष योग्यजन प्रबोधक के समायोजन आदेश पर रोक लगाई

जोधपुर, (कासं)। बीकानेर निवासी मोहनराम ओड की रिट याचिका को अंतरिम रूप से ग्राह्य करते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय ने उसके सात दिसम्बर के समायोजन आदेश पर अंतरिम रोक लगायी है।

बीकानेर निवासी मोहन राम ओड जो 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग कार्मिक है और वर्तमान में वह महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बेलदारों का बास, कोटड़ी जिला बीकानेर में प्रबोधक के पद पर कार्यरत है। प्रबोधक के पद पर उनकी नियुक्ति जिला शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् बीकानेर द्वारा 28 सितम्बर 2008 को की गयी। इसके पश्चात वह वर्तमान में इसी पद पर प्रबोधक के रूप में सेवायें दे रहा है। इसी बीच माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान बीकानेर के निदेशक द्वारा 14 नवम्बर 2024 को अधिशेष शिक्षकों, कार्मिकों के समयोजन के संबंध में दिशा निर्देश जारी किये गये। इन दिशा निर्देशों की आड में प्रार्थी को भी अधिशेष घोषित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी, प्राथमिक शिक्षा, बीकानेर द्वारा उसका स्थानान्तरण महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बेलदारों का बास, कोटड़ी से राजकीय प्राथमिक विद्यालय मेघवालों की ढाणी में सात दिसम्बर को आदेश किया गया।

विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर उसने एक रिट याचिका राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के समक्ष अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से प्रस्तुत की। प्रार्थी के अधिवक्ता का उच्च न्यायालय के समक्ष यह तर्क था कि प्रथमतया प्रार्थी एक दिव्यांग कार्मिक के रूप में प्रबोधक के पद पर कार्यरत है व उसकी नियुक्ति जिला शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद्, बीकानेर के आदेश से वर्ष 2008 में की गयी थी जबकि आलौचीय आदेश दिनांक 7 दिसम्बर 2024 से उसका समायोजन जिला शिक्षा अधिकारी, प्राथमिक शिक्षा बीकानेर के द्वारा किया गया है जो ना तो प्रार्थी का नियुक्ति अधिकारी है ना ही अनुशासनात्मक अधिकारी हैं। इसके बावजूद भी उसका समायोजन की आड़ में स्थानान्तरण असक्षम अधिकारी द्वारा कर दिया गया जो विधि विरूद्ध है क्योंकि प्रार्थी का नियोक्ता जिला शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद, बीकानेर हैं एवं वह ही इसका स्थानान्तरण एवं पदस्थापन कर सकता है। दूसरा यह है कि प्रार्थी 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग कार्मिक है। दिव्यांग कार्मिकों के लिए राज्य सरकार द्वारा समय समय पर दिशा निर्देश जारी कर उनके स्थानान्तरण में छूट/प्राथमिकता प्रदान की गयी है। इसके बावजूद भी प्रार्थी का समायोजन की आड़ में स्थानान्तरण उसके निवास स्थान से 60 किलोमीटर दूर किया गया है एवं उसे किसी प्रकार की कोई प्राथमिकता या छूट प्रदान नहीं की गयी है, जो विधि विरूद्ध है।

प्रार्थी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ के न्यायाधीश अरूण मोगा ने मोहनराम ओड़ की रिट याचिका को अंतरिम रूप से ग्राह्य करते हुए उसके 7 दिसम्बर समायोजन आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए प्राथमिक शिक्षा विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

"विकसित भारत एवं स्वच्छ भारत" पर कार्यशाला

बांसवाड़ा। जिला मुख्यालय पर स्थित श्री गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय में एकदिवसीय "विकसित भारत एवं स्वच्छ भारत" विषयक कार्यशाला का आयोजन गुरुवार प्रात: डॉ एस राधाकृष्ण सभागार में किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता के के गुप्ता रहे। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्जवल करके किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत स्वच्छ भारत के विजन को शत प्रतिशत साकार करने और धरातल पर उतारने का कार्य राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कर रहे है। गुप्ता ने हाल ही में संपन्न राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम की प्रशंसा की। कार्यशाला में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि हमारे जीवन में स्वच्छता सहित पर्यावरण तथा जल संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण तत्व है।

वायु सेना के जवान का निधन, नोखा में अंतिम संस्कार किया

बीकानेर, (निसं)। जिले के नोखा के जवान गौरीशंकर खाती (22) का गुरुवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनका दिल्ली में ब्रेन हैमरेज से निधन हो गया था। जवान गौरीशंकर दिल्ली में वायु सेना में अपनी सेवाएं दे रहे थे। ड्यूटी के दौरान ब्रेन हैमरेज होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

- जवान गौरीशंकर खाती का ब्रेन हैमरेज से निधन हो गया था, चार साल से दिल्ली में थे तैनात

गौरीशंकर की दो दिसंबर को सर्जरी हुई थी। तब से बेस अस्पताल में भर्ती थे। गुरुवार शाम को निधन हुआ था। गुरुवार को वायु सेना के दिवंगत सैनिक की पार्थिव देह नोखा लाई गई। जवान की नोखा के जोरावरपुरा में अंतिम यात्रा निकाली गई। सेना के जवानों ने सैन्य सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी, जिसके बाद जवान की पार्थिव देह को भाई संजय और राहुल ने मुखाग्नि दी।

किसान नेता बजरंगलाल गोदारा, सुभाष भाम्भू और रिछपाल फौजी ने बताया कि गौरीशंकर के दो भाई है। एक भाई संजय बीए फाइनल में पढ़ रहा है, वहीं दूसरा भाई राहुल कक्षा 12 में है। गौरीशंकर के पिता जितुराम खाती लकड़ी के कारीगर है। गौरीशंकर का 18 साल की उम्र में वायु सेना में चयन हो गया था, जिसके बाद वह 4 साल से दिल्ली में वायु सेना में अपनी सेवाएं दे रहे थे। सैनिक के निधन की खबर से जोरावरपुरा में शोक की लहर छा गई। जवान की अंतिम यात्रा सेना के खुले वाहन में कस्बे के मुख्य स्थानों से निकाली गई। इस दौरान लोग तिरंगा हाथों में लेकर देशभक्ति के नारे लगा रहे थे। जगह-जगह स्कूलों के बच्चों द्वारा पुष्प वर्षा की गई। अंतिम यात्रा करणी माता मंदिर जोरावरपुरा नोखा से रवाना हुई, जो वार्ड नंबर 40 से सुजानगढ़ रोड, नवलीगेट, घंटाघर, सदर बाजार, कटला चौक, जैन चौक, महावीर चौक, मालू चौक होते हुए श्मशान घाट पहुंची। जहां पार्थिव देह की अंत्येष्टि की।

इस दौरान पालिकाध्यक्ष नारायण झंवर, अमित स्वामी, नायब तहसीलदार गौरव बेताला, सुरेश बिश्नोई, रिछपाल फौजी, सुभाष खारा, बजरंग गोदारा, राधेश्याम बिश्नोई, भगवानाराम भादू, पार्षद जगदीश मांझू, पार्षद देवकिशन चांडक सहित अनेक गणमान्य लोगों व वायु सेना के अधिकारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर जवान को सलामी दी। इसके बाद जवान का सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया।

हिस्ट्रीशीटर समेत दो लोगों पर हमला

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के गगन पथ पर कुछ लोगों ने हिस्ट्रीशीटर समेत दो लोगों पर हथौड़े से जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान 6-7 बदमाशों ने करीब 15 मिनट तक दोनों को बेरहमी से पीटा। इसके बाद दोनों को गंभीर हालत में छोड़कर हमलावार मौके से भाग छूटे। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें बनाकर जांच शुरू की गई है। हालांकि गुरुवार सुबह तक पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है अभी इस मामले में किसी को राउंडअप तो नहीं किया गया है, लेकिन जांच की जा रही है। वारदात शहर में गगनपथ पर हुई। हिस्ट्रीशीटर लक्की पहलवान उर्फ अवतार सिंह पुत्र संतराम और उसका रिश्तेदार मनीष शर्मा पुत्र अजय कुमार बुधवार दोपहर गगन पथ पर आए थे। इसी दौरान करीब 6-7 हमलावारों ने उन्हें बेहरहमी से पीटा। हमलावारों ने उसके हाथ और पांव पर वार किए। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया। हमलावार करीब 15 मिनट तक दोनों को पीटते रहे। इन हमलावरों ने हथौड़ों से दोनों पर हमला कर दिया। लोग वारदात का वीडियो बनाते रहे। आरोपियों के भाग जाने के बाद सामने स्थित बैंक के कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी।

अब और सुगम हुई रूफ टॉप सोलर कनेक्शन की प्रक्रिया

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम ने पीएम सूर्य घर निशुल्क बिजली योजना में रूफ टॉप कनेक्शन चाहने वाले आवेदकों के लिए प्रक्रिया को और सुगम बनाया है। डिस्कॉम्स अध्यक्ष आरती डोगरा ने बताया कि इसके अन्तर्गत योजना में आगामी माह से सोलर कनेक्शन चाहने वाले आवेदकों से डिमांड नोटिस की राशि अब अगले बिजली बिल के साथ ली जाएगी। इसका लाभ अधिकतम 10 किलोवाट भार तक का रूफ टॉप सोलर कनेक्शन चाहने वाले आवेदकों को ही मिल सकेगा।

- इंस्टालेशन के बाद आवेदक को बिजली बिल के साथ ही देने होंगे अब सभी शुल्क

रूफ टॉप सोलर के लिए कनेक्शन चाहने वाले आवेदकों को आवेदन से लेकर इंस्टालेशन तक अलग-अलग प्रकार के शुल्क जमा कराने होते हैं। ऐसे में योजना को गति देने तथा रूफ टॉप लगाने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए जयपुर डिस्कॉम ने इस प्रक्रिया में लगने वाले सभी शुल्क अब रूफ टॉप स्थापित होने के बाद घरेलू बिजली बिल के साथ लिए जाने के आदेश जारी कर दिए हैं। पीएम सूर्य घर योजना में रूफ टॉप सोलर कनेक्शन के काम को त्वरित एवं सुगम बनाने के लिए जयपुर डिस्कॉम ने मानक संचालन प्रक्रिया जारी की हुई है। जिसमें आवेदकों तथा वेंडर्स के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं को कम करने के साथ ही डिस्कॉम के स्तर पर किए जाने वाले कार्यो को ऑनलाइन किया जा रहा है।

सर्दी के तेवर तीखे

निवाई, (निसं)। उपखण्ड सहित शहर में तेज सर्दी होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दिनभर लोग तेज सर्दी के चलते घरों से बाहर नहीं निकले। सुबह 11 बजे तक रक्तांचल पर्वत कोहरे में छिपा रहा एवं शीतलहर से लोग कंपकंपा उठे। कोहरे की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चालक भी लाईटे जलाकर सफर करते हुए नजर आए।

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR

N-11()PS/SAMGRI/Auction/2024-25/12741 DATED-6.12.2024

AUCTION-NOTICE

Auction Notice of estimated value INR 1,01,67,529/- are invited from interested bidders up to 07.01.2025 at 02.00 pm for IT Equipment & dt. 08.01.2025 at 11.00am for Furniture Equipment & dt. 09.01.2025 at 12.00 pm for Any Other Equipment. Other particulars of the Notice may be visited on the portal https://www.police.rajasthan. gov.in.

Addl. Supdt. of Police
(Leave Reserve)
Planning and Welfare Raj. Jaipur

DIPR/C/12659/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त बारां

क्रमांक-2673 दिनांक-06.12.2024

निविदा सूचना संख्या 04/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों/पुलिया की स्थाई मरम्मत हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://pwd.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त बारां

DIPR/C/12628/2024

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, दूनी, जिला - टोंक (राज.)

क्रमांक/न.पा.दू./विकास/ई निविदा/2024-25/1038 दिनांक : 10.12.2024

ई-निविदा सूचना संख्या (06/2024-25)

नगरपालिका दूनी (टोंक) द्वारा नगर निकाय दूनी एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन-लाईन निविदा दिनांक 13.12.2024 को प्रातः 9.00 बजे से 23.12.2024 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित राषि दिनांक 24.12.2024 को दोपहर 12.00 बजे तक जरिये डी.डी. नगरपालिका कार्यालय में जमा करवानी होगी। । तकनीकी बिड दिनांक 24.12.2024 को दोपहर 02.00 बजे बाद एवं वित्तीय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में उपलब्ध है। 10 कार्य की कुल लागत 110.58 लाख है।

NIB Code-DLB2425A4314

UBN Code - DLB2425WSOB13193, DLB2425WSOB13194, DLB2425WSOB13195, DLB2425WSOB13196, DLB2425WSOB13197, DLB2425WSOB13198, DLB2425WSOB13199, DLB2425WSOB13200, DLB2425WSOB13201, DLB2425WSOB13202

अध्यक्ष
नगरपालिका दूनी

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका दूनी

राज.संवाद/सी/24/9000

राज्य में "पीएम कुसुम योजना" को मिल रही गति

जयपुर। राज्य में "पीएम कुसुम योजना" को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को गति मिल रही है। योजना के कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत गुरूवार को बहरोड़-कोटपूतली जिले के बानसूर सब डिवीजन क्षेत्र में एक साथ दो सोलर प्लांट स्थापित किए गए। कुल 5.26 मेगावाट क्षमता के इन दोनों प्लांटों से बालावास तथा भूपसेड़ा ग्रिड सब स्टेशन से जुड़े 547 किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली सुलभ हो सकेगी।

- योजना के कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत बहरोड़-कोटपूतली जिले के बानसूर सब डिवीजन क्षेत्र में एक साथ दो सोलर प्लांट स्थापित किए गए
- दो माह में जयपुर विद्युत वितरण निगम में कुसुम योजना के कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत 42 मेगावाट क्षमता के 15 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं

राज्य में "पीएम कुसुम योजना" को जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को गति मिल रही है।

उल्लेखनीय है कि बीते करीब दो माह में जयपुर विद्युत वितरण निगम में कुसुम योजना के कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत कुल 42 मेगावाट क्षमता के 15 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें कोटपूतली सर्किल में सर्वाधिक सात, भिवाड़ी वृत्त में पांच तथा जयपुर जिला उत्तर, जयपुर जिला दक्षिण एवं झालावाड़ वृत्त क्षेत्र में एक-एक सौर ऊर्जा संयंत्रों से बिजली उत्पादन प्रारंभ किया गया है। कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत जयपुर डिस्कॉम में अब तक 52.63 मेगावाट क्षमता के कुल 20 सोलर प्लांट स्थापित हो चुके हैं, जिनसे 5575 किसानों को खेती के लिए दिन में बिजली उपलब्ध हो रही है। वहीं अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम को मिलाकर तीनों डिस्कॉम में 80.89 मेगावाट क्षमता के कुल 31 प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे 7813 किसानों का खेती के लिए दिन में बिजली का सपना साकार हुआ है।

उल्लेखनीय है कि योजना में अवार्ड जारी करने के बाद पावर परचेज एग्रीमेंट फाइनल करने, ट्रांसमिशन लाइन तथा मीटर लगाने सहित अन्य आवश्यक स्वीकृतियों के काम निर्धारित समयावधि में किए जा रहे हैं। कुसुम योजना को गति देने के लिए करीब डेढ़ माह पूर्व मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने की पहल की गई है। इसके तहत कंपोनेंट ए एवं सी के तहत सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए डिस्कॉम स्तर पर आवेदनों का सुव्यवस्थित एवं त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। सोलर पावर प्लांट से उत्पन्न होने वाली सौर बिजली की निकासी के लिए 11 केवी एवं 33 केवी लाइन के अनुमोदन, प्लांट के लिए प्रस्तावित भूमि से एलटी, 11 केवी एवं 33 केवी लाइनों को जोड़ने आदि प्रक्रियाओं के लिए विभिन्न स्तरों पर स्वीकृति प्रदान करने के लिए अभियंताओं के स्तर पर समय सीमा का निर्धारण किया गया है। इस एसओपी के माध्यम से सोलर संयंत्रों को स्थापित करने की राह आसान हो रही है। साथ ही सोलर पावर जेनरेटर्स की समस्याओं को भी दूर किया गया है।

राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर हुए विविध कार्यक्रम

बांसवाड़ा,(निसं)। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरूवार को जिले में विविध कार्यक्रम हुए। कार्यक्रमों का आगाज रन फॉन विकसित राजस्थान से हुआ वहीं मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय समारोह रंगमंच में आयोजित किया गया। साथ ही स्थानीय सूचना केन्द्र में विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन, जिला विकास पुस्तिका का विमोचन एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई।

रंगमंच में हुआ मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम : कार्यक्रमों की श्रृंखला में जोधपुर से विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में हुए मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का जिला स्तरीय समारोह रंगमंच में प्रदेश के जनजाति क्षेत्रीय विकास, गृह रक्षा विभाग के कैबिनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री बाबुलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। जिला प्रशासन और चिकित्सा विभाग की ओर से रंगमंच में आयोजित जिला स्तरीय रोजगार उत्सव के तहत गुरूवार को जिले के विभिन्न विभागों के 408 युवाओं को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र जारी किए गए। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक कैलाश चंद्र मीणा, पूर्व मंत्री धनसिंह रावत, पूर्व संसदीय सचिव भीमाभाई सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और जिला प्रभारी सचिव नकाते शिवप्रसाद, जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, अतिरिक्त जिला कलेक्टर अभिषेक गोयल, सीएमएचओ डॉ एचएल ताबियार साहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। नियुक्ति पत्र में सबसे अधिक चिकित्सा विभाग के 326 कार्मिक रहे। कार्यक्रम को राज्य स्तर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, एसीएस गायत्री राठौड़ ने संबोधित किया। चिकित्सा मंत्री ने बांसवाड़ा का भी नाम लेते हुए कहा कि आने वाले 6 माह में अस्पतालों में सभी पद भर दिए जाएंगे। उन्होंने गांव-गांव में डॉक्टर नियुक्त करने का भरोसा दिया।

युवाओं की लगी भीड़, बधाइयों का दौर : चिकित्सा विभाग की टीम ने उपस्थित हुए युवाओं को स्वागत कीट दिया जिसमें मुख्यमंत्री का बधाई संदेश भी शामिल था। जिसे पढक़र युवाओं में खुशी दिखाई दी। साथ ही युवाओं ने एक दूसरे को बधाई दी। सीएमएचओ डॉ एचएल ताबियार ने बताया कि कीट में लोक दायित्व को लेकर आईईसी की ओर से तैयार की गई बुक लेट भी दी गई है। संचालन डॉ वनीता त्रिवेदी ने किया। रंगमंच सुबह में ही खचाखच भर गया। युवाओं के साथ उनके अभिभावक भी दिखाई दिए। नियुक्ति पत्र को लेकर उत्साह दिखा। रोजगार उत्सव और युवा सम्मेलन से पूर्व कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कॉलेज छात्राओं को स्कूटी का वितरण किया। इस अवसर पर काली बाई भील मेधावी स्कूटी योजना एवं देवनारायण स्कूटी वितरण योजना के तहत 1245 पात्र लाभार्थी छात्राओं में से मौके पर 15 छात्राओं को प्रभारी मंत्री ने स्कूटी की चाबी सौंप कर लाभान्वित किया।

सूचना केन्द्र में जिला विकास पुस्तिका का विमोचन करते अतिथि ।

■ रन फॉर विकसित राजस्थान से हुआ आगाज

सूचना केन्द्र में विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन, जिला विकास पुस्तिका का हुआ विमोचन: राज्य सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने पर सूचना केन्द्र में आयोजित की गई प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रभारी मंत्री बाबुलाल खराडी ने मोरीलसा खोलकर किया गया।

इस मौके पर प्रभारी मंत्री के साथ उपस्थित अन्य अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश सहित जिले में हुए विकास कार्यो की जानकारी ली। सूचना केन्द्र में ही पंच गौरव के तहत स्थापित स्टालों का शुभारंभ प्रभारी मंत्री ने मॉ त्रिपुरा सुंदरी की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने जिले के पांच गौरव के रूप में प्रदर्शित स्टॉलों का अवलोकन करते हुए इस संबंध में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जानकारी भी ली।

वन्यजीव अभ्यारण्य का शैक्षिणक भ्रमण

बांसवाड़ा, (निसं)। लीयो कॉलेज के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों को उदयपुर जिले के जयसमंद वन्यजीव अभ्यारण्य में शैक्षिणक भ्रमण करवाया गया। शैक्षिणक भ्रमण में छात्रों ने वन्यजीवों और पर्यावरण के बारे में समंक व नमुने एकत्र किये और विभिन्न वन्यजीवों व वनस्पती के बारे में अनुभव प्राप्त किये। लीयो कॉलेज के निदेशक मनीष त्रिवेदी ने बताया कि जयसमंद वन्यजीव अभ्यारण्य शैक्षिणक भ्रमण में लीयो के 50 विद्यार्थियों ने वन विभाग के रेंजर शांतिलाल के सानिध्य में जंगल के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया। वन कर्मियों ने छात्रों को जंगल में निवास करने वाले विभिन्न वन्यजीवों, पारिस्थितिकी तंत्र, पर्णपाती वनों और पौधों की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। इस भ्रमण का नेतृत्व व्याख्याता डॉ. अनिल पंचाल, महेंद्र सुथार, विनीता जोशी और रीना उपाध्याय ने किया। विद्यार्थियों ने जयसमंद झील में बोट के माध्यम से झील के बीच में जा कर पानी के सेम्पल लेना सीखा। इस भ्रमण से विद्यार्थियों को वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास, उनकी जीवनशैली और जंगल की जैव विविधता को नजदीक से समझने का अवसर मिला। साथ ही छात्रों ने पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने में वन्यजीवों और पौधों की भूमिका को भी जाना। भ्रमण संयोजक डॉ. अनिल पंचाल ने बताया कि भ्रमण के दौरान प्राप्त तथ्यों को संग्रहित कर शोध पत्र तैयार किया जाएगा।

सार-समाचार

निशुल्क आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण 15 को

बांसवाड़ा,(निसं) । भारत विकास परिषद एवं आयुर्वेद विभाग के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क आयुर्वेदिक काढ़ा वितरण रविवार को श्रीनाथ आश्रम मंदिर मोहन कॉलोनी पर किया जाएगा। परिषद के मीडिया प्रभारी कल्पेश मेहता एवं अध्यक्ष नीरज मेहता ने बताया कि मुख्य रूप से सर्दी, खांसी, अस्थमा, श्वसन संबंधी विकार, पोस्टनेजल ड्रेनेज, नाक में रुकावट या भीड़, नासाशोध, गंध और स्वाद की कम भावना, रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी आदि लक्षणों से पीड़ितों की संख्या इस मौसम में बहुत बढ़ चुकी है और वर्तमान में नित्य प्रतिदिन चिकित्सकों के पास आउटडोर के बाहर इससे ग्रस्त रोगियों की भीड़ है इसके लिए विशेष काढ़ा शिविर आयोजित कर गाजवान, मूलेठी, सौंफ, मुनक्का, अंजीर, उन्नाब, अडूसा, सोंठ, तुलसी आदि औषधीय घटक द्रव्यों के मिश्रण से तैयार ताजा काढ़ा बना कर आम नागरिकों को निरूशुल्क पिलाया जाएगा। शिविर संयोजक कल्पेश मेहता ने बताया कि आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ.पीयूष जोशी के मार्गदर्शन में विभाग की मोबाइल यूनिट के प्रभारी डॉ. संजय चरपोटा, जिला आयुर्वेद चिकित्सालय प्रभारी डॉ. मणिलाल मईडा, डॉ. देवेन्द्र मित्तल, डॉ. सुरेन्द्र कुमार जोशी, डॉ. तात्रेश जोशी, कम्पाउन्डर सनत कुमार जैन, पवन कुमार पाटीदार की टीम तैयार करेगी। उन्होंने बताया कि उक्त आर्युवैदिक काढ़े का वितरण प्रातः 8.30 से 11.30 बजे के बीच वितरित किया जाएगा। काढ़ा वितरण शिविर की प्रारंभिक तैयारियों में सचिव संजय गुप्ता, पुष्पेंद्र सराफ, राजेश मेहता, प्रदीप कोठारी, शैलेश गुप्ता, डॉ. आशा मेहता, धर्मिष्ठा पंड्या, गायत्री शर्मा का सहयोग लिया जा रहा है।

सरकार के एकवर्ष पूर्ण के उपलक्ष्य में हुई 'रन फॉर विकसित राजस्थान'

प्रतापगढ़, (निसं)। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रन फॉर विकसित राजस्थान दौड़ का आयोजन गुरुवार को अम्बेडकर सर्किल से नल चौराहा (जीरो माईल चौराहा) तक हुआ। जिला कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया ने रन फॉर विकसित राजस्थान को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए खुद भी दौड़ में हिस्सा लिया । इस अवसर पर जिला कलक्टर ने रन में भाग लेने वाले जिले भर के ब्लॉक व गांव से आए नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री और माननीय मुख्यमंत्री ने सन 2047 तक देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है, जिसको सफल बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक का अपने अपने स्तर पर सहयोग देना आवश्यक है । डॉ. राजोरिया ने वर्तमान सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में राजकीय महाविद्यालय मे 12 से 15 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सभी को अपनी उपस्थिति देने को कहा । उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर समय-समय पर ऐसी दौड़ का आयोजन किया गया है । डॉ राजोरिया ने सभी को खेले वह दौड़ में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने को कहा जिससे हमारा शारीरिक स्वास्थ्य बना रहता है।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री राजे पहुंची निम्बाहेड़ा

निम्बाहेड़ा, (निसं) । भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया 12 दिसंबर, गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर निम्बाहेड़ा पहुंची, इस दौरान पूर्व सीएम राजे ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा जे.के. सीमेंट के स्वर्ण जयंती महोत्सव में भाग लिया।उल्लेखनीय है कि जे.के. सीमेंट वर्क्स निंबाहेड़ा के गौरवशाली 50 वर्ष पूर्ण होने पर जे.के. सीमेंट प्रबंधन द्वारा सात दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत गुरुवार को जे.के. सीमेंट एल.के. सिंघानिया स्कूल के खेल मैदान में आयोजित किए जा रहे अति लक्ष्मी नारायण यज्ञ के अंतिम दिन भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सीएम श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया ने अति लक्ष्मी नारायण यज्ञ में पूर्णाहुति दी। पूर्व सीएम श्रीमती राजे ने अति लक्ष्मी नाररायण यज्ञ में पूर्णाहुति एवं महाआरति के पश्चात यज्ञशाला की परिक्रमा कर देश में खुशहाली की कामना की।

स्कूल में बच्चो ने मनाया हॉर्स डे

बांसवाड़ा । राष्ट्रीय हॉर्स डे पर रतलाम रोड स्थित अंकुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्री-नर्सरी से यूकेजी के बच्चों के लिए घुड़सवारी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को घोड़ों के ऐतिहासिक योगदान और उनके जीवन में भूमिका के बारे में शिक्षित करना था। शिक्षकों ने भारतीय इतिहास में घोड़ों की भूमिका पर रोचक कहानियां सुनाई जिससे बच्चों में जिज्ञासा और सीखने की रुचि बढ़ी। बच्चों ने घोड़े की देखभाल और उनके व्यवहार के बारे में भी सीखा। इस दौरान उन्हें घोड़ों को सहलाने और उन्हें नजदीक से देखने का अवसर मिला। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि इस तरह के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं वे न केवल प्रकृति और पशुओं के प्रति स्नेह विकसित करते हैं बल्कि साहस और आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के लिए यादगार अनुभव बताया।

कौशल विकास किट वितरित की

बांसवाड़ा । राउमावि अमरथून में व्यावसायिक शिक्षा ऑटो मोटिवेशनल ट्रेड अन्तर्गत कौशल विकास सामग्री किट समारोहपूर्वक पीओ प्रधानाचार्य अरुण व्यास की अगुवाई में 32 विद्यार्थियो को वितरित की गई। कौशल विकास मित्र खुशपाल कटारा ने बताया कि जिला स्तर समसा कार्यालय से प्राप्तसामग्री व्यावसायिक शिक्षा ऑटो मोटिव ट्रेड से सम्बन्धित है। समारोह को पारी प्रभारी नासिर अली अंसारी, व्याख्याता रसायन, भेरूलाल डोडियार, दयाशंकर चरपोटा, मयूर पडियार, मुकेश पटेल, बदन लाल डामोर, अनूप कुमार मेहता, कपिल वर्मा, पर्वत सिंह, हरिशंकर, मानसिंह, प्रज्ञा अधिकारी, हितेष कुमार निनामा, दिलीप कुमार मीणा, रैना निनामा, जीवन लाल निनामा ने सम्बोधित किया। संचालन कौशल मित्र खुशपाल कटारा ने किया जबकि आभार व्यावसायिक अनुदेशक ने माना।

सचिव लेंगे जिलाधिकारियों की बैठक

बांसवाड़ा, (निसं) । आयुक्त आबकारी विभाग राजस्थान एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री नकाते शिवप्रसाद मदन शुक्रवार 13 दिसंबर को सायं 4.00 बजे जिला कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागीय समीक्षा एवं बजट घोषणा संबंधी बैठक लेंगे।अतिरिक्त जिला कलक्टर अभिषेक गोयल ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को विभागीय रिपोर्ट हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी में तत्काल भिजवाते हुए समय पर पूर्ण तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने किया जिला विकास पुस्तिका का विमोचन

प्रतापगढ़। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में उप मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार डॉ. प्रेम चंद बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया, जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल, उप वन संरक्षक हरि किशन सारस्वत, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद परसाराम , सीएमएचओ डॉ. जीवराज मीणा, जनप्रतिनिधि गोपाल कुमावत, अमित जैन, उत्सव जैन उपस्थित रहे। कार्यक्रम वीसी के माध्यम से वर्चुअली राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जुड़ा रहा। मंच का संचालन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. टी आर आमेटा और नीलम कटलाना द्वारा किया गया।

माननीय उपमुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विभागवार अर्जित उपलब्धियां के संबंध में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में उन्होंने नगर परिषद द्वारा लगाए गए ग्राम स्वच्छता रथ के मॉडल को सराहा।

राजस्थान में पहाड़ बचाने के लिए बनेगी नई हिल पॉलिसी

■ 15 डिग्री से ऊंचे पहाड़ों पर कोई निर्माण नहीं होगा

उदयपुर, (का.स.)। राजस्थान में पहाड़ों को बचाने के लिए सरकार नई हिल पॉलिसी बनाने जा रही है। इस पॉलिसी के तहत प्रदेश में 15 डिग्री से ऊंचे पहाड़ों पर कोई निर्माण नहीं होगा। इतना ही नहीं पहाड़ की ऊंचाई नापने के लिए भी मनमर्जी नहीं चलेगी। इनकी ऊंचाई नापने के लिए इसरो का कार्टोसैट डेटा फॉर्मूला अपनाया जाएगा।

हालांकि इन नियमों में बदलाव और सख्ती करने के लिए सरकार ने 20 दिसंबर तक जनता से सुझाव मांगा है।यह पॉलिसी माउंट आबू इको सेंसेटिव जोन को छोड़कर पूरे प्रदेश के शहरी क्षेत्र में लागू होगी।नई हिल पॉलिसी के तहत अब मास्टर प्लान के अनुसार 8 डिग्री और 8 से 15 डिग्री तक के पहाड़ों पर फार्म हाउस और रिसोर्ट के लिए मंजूरी मिल जाएगी। लेकिन 15 डिग्री के ऊपर वाले पहाड़ों पर कंस्ट्रक्शन बैन रहेगा। जिन पहाड़ों पर नक्षत्रकाश होगा उसमें पार्किंग निर्माण ऊपर की तरफ नहीं होकर नीचे होगा।उदयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त राहुल जैन के अनुसार उदयपुर का अरावली क्षेत्र संरक्षित करने के लिए भी यह नई पॉलिसी कारगर साबित होगी। उदयपुरवासी भी अपने सुझाव जरूर दें ताकि इन पहाडि़यों के संरक्षण के लिए बड़ा काम किया जा सके।दरअसल पहाड़ों को लेकर जो स्वीकृतियां दी जाती है उसमें पहाड़ी का नाप उस तक जाने वाले रास्ते के नीचे से लिया जा रहा है। इसमें अनियमितता ऐसी होती है कि पहाड़ी ऊंची होने के बाद भी रास्ते से नाप होने के कारण स्वीकृति लेकर निर्माण कर दिए जाते हैं।इस गली को खत्म करने के लिए अब नई पॉलिसी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के कार्टोसैट डेटा से नाप लिया जाएगा। ये भारतीय रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट है जो इन.ऑर्बिट स्टीरियो इमेज प्रदान करता है। नियम बनने के बाद 6 महीने की अवधि में संबंधित निकाय या अन्य समकक्ष तकनीकी संस्था के सहयोग से पहाड़ी क्षेत्रों की तीनों श्रेणियों का निर्धारण करेंगे। क्षेत्र का निर्धारणजी.आई.एस.सॉफ्टवेयर आधारित डिजीटल एलिवेशन मॉडल डेटा के माध्यम से करना होगा ताकि कोई गलती न रहे।इस पालिसी के तहत उदयपुर की बाहुबली हिल्स से जैसी इन पहाडयों का भी संरक्षण अब संभव हो पाएगा।पुरानी पॉलिसी पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई थी प्रदेश में नगरीय क्षेत्र में स्थित पहाड़ों के संरक्षण के लिए पहाड़ी संरक्षण विनियम.2018 बनी हुई थी, जिस पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी समितियों ने आपत्ति जताई थी।

इंडिया खेलो फुटबॉल सीजन-4 की नि: शुल्क ट्रायल हुआ आयोजन

■ स्काउटिंग में 277 खिलाड़ियों का पंजीयन बहुत बड़ी उपलब्धि : संकेत गोस्वामी

निंबाहेड़ा, (निसं)। फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में नगर के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम में आयोजित इंडिया खेलो फुटबॉल ( ) सीजन 4 का आयोजन किया गया जो कि दूधिया रोशनी में रात्रि 8 बजे तक जारी रहा।

एसोसिएशन के सर्टिफाइड प्रशिक्षक तालिब अहमद ने बताया कि की आयोजित ट्रायल में विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ियों की नि: शुल्क ट्रायल का आयोजन किया गया जिसमें नगर ही नहीं बल्कि राजसमंद, चित्तौड़गढ़ व आसपास के सभी क्षेत्रों से इस ट्रायल में ऑनलाइन 83 खिलाड़ियों व ऑफ लाइन सुविधा होने से 194 खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन मैदान पर उपस्थित सर्टिफाइड कोच तोसिफ खान,आरती मीणा,मिर्ज़ा जुनैद बैग से करवाया था इसमें 50 बालिकाओं व 227 बालकों ने इस ट्रायल में भाग लिया। स्काउटिंग कोच संकेत गोस्वामी व टाइगर टीम से सुशील कुमार ने प्रतिभागियों को अलग अलग 23 टीम में चयन कर उनकी स्किल ,खेल देख कर उनका अगली स्काउटिंग के लिए चयन किया। बतौर मुख्य निर्णायक फरीद खान ने सेवाएं दी इस अवसर पर खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखने को मिला जो अपनी बारी का इंतज़ार कर अपने खेल को स्काउट्स के समक्ष प्रदर्शित किया आयोजक द्वारा सभी को अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी स्काउटिंग के माध्यम से चयनित खिलाड़ी तत्पश्चात जोन लेवल पर अपना प्रदर्शन कर भारत की चुनिंदा अकादमिक,क्लब्स में नि:शुल्क प्रवेश दिया जाएगा अकादमी में रहकर खिलाड़ी बेहतर खेल कौशल से अपने देश का नाम रोशन करेगा भारत में आयोजित इण्डिया सुपर लीग,दिल्ली लीग,मुंबा लीग,गुजरात लीग और कई उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व करेगा भविष्य ने खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं भारतीय टीम में खेलने का मौका मिलेगा नगर निंबाहेड़ा में निंबाहेड़ा फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित ट्रायल्स के माध्यम से आज खिलाड़ी कई अकादमी, विश्वविद्यालय, शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन कर नाम कमा रहे हैं स्काउटिंग टीम ने बताया कि नि:शुल्क ट्रायल होने से सबसे अधिक बच्चों को स्थानीय मैदान पर अपना प्रदर्शन देने का अवसर मिला अब तक कि ट्रायल में सबसे अधिक पंजीयन निंबाहेड़ा स्काउटिंग में 277 खिलाड़ियों का होना अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि साबित करती है चिकित्सा सुविधा में सैयद शादाब हुसैन व आबीर खान ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई आयोजक समिति के अब्दुल हक़, सिराज मेव,नदीम ,मोहम्मद ज़ैद गौरी,फरदीन ,अमन ,सोहेल ,पृथ्वी सुथार ,सिकंदर , हैदर अली,ईशान मेव,जकी गौरी ,मिर्ज़ा सुब्हान, फरहान खान,अरमान मेव, मोहसिन खान,अज़ीम तारिक, अनस पठान आदि ने इस ट्रायल को सफल बनाने में मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में खेलप्रेमी एवं दर्शकगण उपस्थित रहे।

गीतांजलि में विदाई समारोह

उदयपुर, (निसं) । गीतांजलि कॉलेज एवं स्कूल ऑफ नर्सिंग में एमएससी नर्सिंग, बीएससी नर्सिंग एवं जनरल नर्सिंग मिडवाइफरी के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ राकेश व्यास वाइस चांसलर गीतांजलि यूनिवर्सिटी, भूपेंद्र जैन ज्वाइंट रजिस्ट्रार गीतांजलि यूनिवर्सिटी , डीन डॉ विजया अजमेरा ,प्रिंसिपल प्रो. डॉ योगेश्वर पूरी गोस्वामी, प्रिंसिपल प्रो. दिनेश कुमार शर्मा, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर प्रो कमलेश जोशी, सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। डॉ राकेश व्यास वाइस चांसलर गीतांजलि यूनिवर्सिटी ने बताया कि एक नर्स का रोल मेडिकल विभाग में बहुत महत्वपूर्ण होता है, डीन डॉ विजया अजमेरा ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया और उनके भविष्य की मंगल कामना की ,प्रिंसिपल प्रो. डॉ योगेश्वर पूरी गोस्वामी ने विद्यार्थियों को गाइडेंस दी एवं बताया कि वह आगे भी अपनी पढाई जारी रखे ,एवं प्रिंसिपल प्रो. दिनेश कुमार शर्मा ने छात्र छात्राओं को प्रोत्साहन दिया कि आगे भविष्य में उनके पास बहुत से अवसर हैं। विदाई लेने वाले विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में बिताए सुखद अनुभव को व्यक्त किया और इसके साथ ही जूनियर विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रमें में प्रस्तुतियां दी।

'भारतीय भाषाओं की विविधता राष्ट्र की एकता का आधार '

■ विद्यापीठ में मनाया भारतीय भाषा दिवस

उदयपुर,(निसं)। भारतीय भाषाओं की विविधता और समृद्धि, राष्ट्र की एकता, सदभाव और अखंडता का प्रतीक हैं। हमें अपनी मातृभाषा और संस्कृति के प्रति जागरूक होकर इस विविधता को संरक्षित करना चाहिए। यह बात जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत ने भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में कही। कुलपति कार्यालय में भारतीय भाषाओं की विविधता एवं इतिहास विषय पर संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि यह दिवस तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर मनाया जाता है और भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार में ऐसे कार्यक्रमों की अहम भूमिका है।

कुल प्रमुख बीएल गुर्जर ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम भारतीय भाषा दिवस के लोकाचार के अनुरूप भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढावा देने और संरक्षित करने का प्रयास है। कार्यक्रम में विभिन्न संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने भारतीय भाषाओं की विशिष्टता और गहराई को उजागर किया। डॉ. चंद्रेश छतलानी ने सिंधी भाषा की जीवंतता को अपनी लघुकथा के माध्यम से प्रदर्शित किया। संस्कृत आदि विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं मेवाडी और मारवाडी का प्रतिनिधित्व भी आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से किया गया, जिससे क्षेत्रीय सांस्कृतिक परंपराओं की झलक मिली।

प्रो. सारंगदेवोत के निर्देशन में डॉ. चंद्रेश छ्तलानी, डॉ. ललित सालवी और विकास डांगी द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी में 372 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस पहल ने भारतीय भाषाओं के प्रति युवाओं की रुचि और उत्साह को दर्शाया। इधर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, डबोक में आयोजित समारोह में प्रशिक्षणार्थियों ने राजस्थानी गीत प्रस्तुत किया और माया सेन द्वारा निर्मित कार्टून कॉमिक्स का विमोचन किया गया। भाषा भावों का आधार विषय पर विमर्श सत्र आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. बलिदान जैन ने भाषा को धर्म और कर्म का माध्यम बताया।

कार्यक्रम आयोजित

उदयपुर, (निसं)। पेसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस उमरडा एवं सेंट्रल ब्यूरो ऑफ हेल्थ इंटेलिजेंस जयपुर के तत्वावधान में आईसीडी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान में रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण आईसीडी-10 और कामकाज, दिव्यांग और स्वास्थ्य के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीएफ) के उपयोग को बढावा देने के लिए चर्चा की गई। चर्चा में बताया गया कि रोगों के अंतर्राष्ट्रीय आईसीडी-11 से विश्व भर में समान रुप से कोड होंगे। ये चिकित्सा पद्धतियों का सहारा लेने वाले रोगियों की समस्याओं को कम करेगा।

प्रत्येक डाक्टर रोग का नाम और इलाज अपने तरीके से लिखते हैं। इससे कभी-कभी अन्य डाक्टरों के लिए समझना बहुत कठिन हो जाता है इसलिए एक समान कोडिंग के रूप में आईसीडी-11 का प्रयोग किया जाना चाहिये। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के सीनियर रीजनल डायरेक्टर डॉ. कौशल गुप्ता ने कहा कि आईसीडी-10 कोडिग से साक्ष्य आधारित बीमारियों के डेटा संग्रहण व विश्लेषण प्रदान किया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि आईसीडी को लेकर समय-समय पर संशोधन किया जाता है और वर्तमान में आईसीडी-11 चल रहा है।

पेसिफिक में नाट्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

उदयपुर, (निसं) । फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट द्वारा अन्तर महाविद्यालय नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उदयपुर संभाग के कुल 10 कॉलेजों की टीमों ने विभिन्न विषयों पर नाटक का मंचन किया गया। सांस्कृति क्लब की अध्यक्षता में अभिनय कला की अभिव्यक्ति को साकार करने हेतु ड्रामा प्रतियोगिता 'स्टोरिज ऑन स्टेज का आयोजन किया। सभी टीमों ने अलग-अलग विषय पर आधारित लघु नाटिका तैयार की। छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया गया जहाँ विभिन्न छात्रों ने शैक्षणिक ज्ञान एवं प्रबंधन के गुर जैसे टीम बिल्डिंग, कॉओरडिनेशन आदि प्रेक्टिकल अपरोच द्वारा सीखें।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर दिपिन माथुर, डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट की अध्यक्षता में किया गया। पेसिफिक युनिवर्सिटी के प्रेसीडेन्ट प्रोफेसर हेमन्त कोठारी ने विद्यार्थियों को आर्शीवचन से लाभान्वित किया। प्रो. दिपिन माथुर ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए नाट्य मंच सबसे अच्छा माध्यम है, जिसमें छात्र अपने कम्युनिकेशन स्किल अभिव्यक्ति प्रस्तुतीकरण एवं अवसरों को बेहतर रूप से विकसित करता है। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों जैसे युवा में बढ़ती हुई सामाजिक कुरितियाँ, देश भक्ति, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, सोशल इनकाउण्टर का मंचन किया गया। विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया । कार्यक्रम के निर्णायक वीबीआरआई से डा. नीलु तिवारी, नाट्यांश के फाउन्डर एण्ड सैकेट्री अमित श्रीमाली एवं टीम कॉर्डिनेटर नाटयांश मोहम्मद रिजवान ने किया। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और उन्हें जिन्दगी में नाट्य की महत्ता को बतलाया। सांस्कृतिक क्लब की संयोजिका डा. पल्लवी मेहता ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं विजेता के नाम घोषित किए। नाट्य प्रतियोगिता में मीरा गर्ल्स कॉलेज की टीम विजेता रहीं। फर्स्ट रनरअप पेसिफिक इंस्टीट्युट ऑफ मैनेजमेन्ट एवं टीम यूसीसीएमएस द्वितीय रनरअप रही। नाट्य प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ अभिनय तालिब अमर एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनायिका अंजली गांच्छा रहे। अंत में डा. मेहता ने सभी प्रतिस्पर्धियों को शुभकामना दी।

■ फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट द्वारा अन्तर महाविद्यालय नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन

पेसिफिक में नाट्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया।

किसान सम्मेलन 13 को

प्रतापगढ़,(निसं)। राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 दिसम्बर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 13 दिसम्बर को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में 11 बजे से किसान सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण , राजस्थान सरकार के पत्र क्रमांक:-F-1/DEIAA/Mines/2016/1027 Dated-01/08/2016 के द्वारा जगदीश चन्द्र पालीवाल को निकट ग्राम धानीन, तहसील कुम्भलगढ़ जिला राजसमंद में स्थित खनन पट्टा एम.एल.नं.-02/2013 वास्ते खनिज क्वार्टज ,फेल्सपार क्षेत्रफल 4.6827 हेक्टेयर के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र की प्रति जनसाधारण के लिए उपलब्ध है एवं मण्डल की वेबसाईट http://environmentclearance.nic.in पर देखी जा सकती है।

जगदीश चन्द्र पालीवाल

प्रारूप-10 (नियम-6 (7)देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं. 5867 | दिनांक :11/12/2024

लोक-सूचना

श्री देवी लाल धोबी पिता श्री उदय लाल धोबी निवासी मोही एवं श्री विजेश कुमार धोबी पिता श्री राजु लाल धोबी निवासी मोही तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	कांकरोली	202	रकबा 0.1781हैक्टेयर
			203	रकबा 0.1619 हैक्टेयर
			221	रकबा 0.3076 हैक्टेयर
			222	रकबा 0.3076 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

दिया कुमारी ने केकड़ी में जिला विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

आने वाले वर्षों में केकड़ी जिला विकास की नई कहानी लिखेगा : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

केकड़ी, (निसं)। राज्य की उपमुख्यमंत्री एवं केकड़ी जिले की प्रभारी मंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को राज्य सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर केकड़ी जिले के नगर परिषद प्रांगण में जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

उन्होंने जिला विकास पुस्तिका का विमोचन एवं राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। उन्होंने जिला विकास प्रदर्शनी में विभागवार लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया। इसमें राजीविका द्वारा हस्तशिल्प उत्पाद, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के मॉडल, कृषि विभाग द्वारा उन्नत फसल के बीज एवं उत्पाद सहित जिले के पंच गौरव प्रदर्शन स्टाल का भी अवलोकन किया। इसमें एक जिला एक उपज सरसों, एक प्रजाति जामुन, एक उत्पाद ग्रेनाइट, एक खेल हॉकी एवं एक पर्यटक स्थल हाड़िंतनी की बावड़ी और वराह मंदिर के कटआउट्स की सराहना की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदर्शनी में दिव्यांगजन को उपकरण वितरित किए। इसमें सजन को व्हीलचेयर, कमलेश तेली को ब्लाइंड स्टिक, कन्हैयालाल को ट्राईसाइकिल, एवं मथुरा देवी गुर्जर को बैसाखी वितरित की गई। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत अफसाना पत्नी स्माइल को राशि 51 हजार रुपए का चेक दिया। उपमुख्यमंत्री द्वारा पांच प्रतिभावान विद्यार्थियों को मोबाइल टैबलेट भी वितरित किए गए। इसमें मनीष धाकड, हर्ष कुमार जैन, रौनक चौधरी, पार्थ माहेश्वरी एवं अदिति शर्मा को टैबलेट वितरित किए गए। निशुल्क साइकिल वितरण योजना अंतर्गत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय केकड़ी की छात्राओं अंबिका कंवर, नीतू जांगिड़, सोनू सैनी, ऐश्वर्या दाधीच एवं प्राची सेन को साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर चार विद्यार्थियों को व्यवसायिक टूल किट वितरित किए गए साथ ही मुफ्त जांच हेतु मां वाउचर योजना के अंतर्गत तीन महिलाओं को मुफ्त सोनोग्राफी जांच हेतु वाउचर वितरित किए गए। स्कूटी वितरण योजना के अंतर्गत मुस्कान बैरवा, खुशी चौधरी, अंतिमा शर्मा, आरती शर्मा एवं नरगिस अंसारी को स्कूटी वितरित की गई। उपमुख्यमंत्री द्वारा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के अंतर्गत नवनियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र दिए गए। युवा सम्मेलन और रोजगार उत्सव का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जहां नवचयनित कार्मिकों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इसमें राजेश्वरी कंवर, अमित शर्मा, मोहन सिंह नरूका, सलोना आहूजा, राजेश जांगिड़ सहित अन्य को नियुक्ति पत्र दिए गए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

- दिया कुमारी ने जिला विकास पुस्तिका का विमोचन एवं राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया और रोजगार सृजन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता जताई। रोजगार उत्सव के अंतर्गत जिले में 252 नव नियुक्त कार्मिकों को नियुक्ति पत्र दिए गए। इसके पश्चात उपमुख्यमंत्री द्वारा जिला विकास पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल पर प्रेस वार्ता की गई। पत्रकारों से मुखातिब होते हुए उपमुख्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री दिया कुमारी ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने 2024-25 के बजट में केकड़ी जिले के लिए ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा आने वाले वर्षों में केकड़ी जिला विकास की नई कहानी लिखेगा। उन्होने राज्य सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उपमुख्यमंत्री ने जिला विकास पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तिका सरकार की पारदर्शिता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर विधायक शत्रुघ्न गौतम, मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत, अजमेर देहात भाजपा अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा, जिला कलेक्टर श्वेता चौहान और विशिष्ट शासन सचिव नरेंद्र गुप्ता उपस्थित रहे।

बाघिन टी-107 सुल्ताना ने शिकार किया

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाईमाधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के त्रिनेत्र गणेश मंदिर सड़क मार्ग पर स्थित शिल्पग्राम व जोगीमहल रेस्टोरेंट के पास बुधवार शाम को सुल्ताना नाम से प्रसिद्ध बाघिन टी-107 में एक गाय का शिकार किया। इस दौरान वहां पर उपस्थित लोगों ने बाघिन के भ्रमण व शिकार का वीडियो व फोटो सोशल मीडिया पर भेजा। सूचना पाकर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची एवं लोगों को वहां से हटाकर बाघिन को जंगल में भेजा। सुल्ताना बाघिन का टेरेटरी जॉन नंबर एक एवं गणेश परिक्रमा मार्ग है अनेकों बार वह रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश जी मंदिर के सड़क मार्ग पर आती रहती है।

सवाईमाधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के त्रिनेत्र गणेश मंदिर सड़क मार्ग पर बाघिन टी-107 में एक गाय का शिकार किया।

पूर्व सभापति के घर के बाहर नाले में शव मिला

अलवर, (निसं)। अलवर शहर कोतवाली थाना क्षेत्र 80 क्वार्टर में पूर्व सभापति मुकेश सारवान के घर के बाहर नाले में 5 से 6 दिन पुराना शव नाली में फंसा हुआ मिला। तेज बदबू आने पर सफाई कराने पर शव मिला। इसके बाद सनसनी फैल गई। शव की पहचान भी नहीं हो सकी। वहीं मृतक की जेब से कुछ कागज मिले हैं, जिसमें सट्टे में काम लिए जाने वाले नंबर लिखे हैं।

सफाईकर्मी साजन कुमार ने बताया कि हम दो लोगों की ड्यूटी 80 क्वार्टर स्कीम 10 में साफ सफाई की है। दोनों युवक रोजाना की तरह गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे आए। यहां तेज बदबू आ रही थी। इसके बाद नाले की सफाई करने लगे, लेकिन कुछ नहीं मिला। बाद में नाले के ऊपर सीसी किया हुआ था। उस जगह नाली सीसी कवर का तोड़ा तो नीचे से सड़ा हुआ शव मिला। मृतक की उम्र करीब 50 साल है। कपड़ों की जेब से कुछ कागज मिले। एक कागज पर सट्टे नंबर जैसी पर्ची मिली। अभी मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पता करने में लगी है। शव को मॉच्युरी में रखवाया गया है।

कोतवाली थाना एएसआई कन्हैयालाल ने बताया कि पूर्व सभापति और वर्तमान पार्षद मुकेश सारवान ने थाने पर सूचना दी कि उनके मकान के सामने एक ढकी हुई नाली में शव फंसा हुआ है। काफी मशक्कत के बाद शव को निकाला गया। जिसके लिए नाली के सीसी कवर को जेसीबी से जोड़ा गया। इसके बाद एफएसएल टीम ने सैंपल लिए।

एक ही दिन में दो मंदिरों में चोरी

बौंली-बामनवास, (निसं)। नगर पालिका व उपखंड मुख्यालय बौंली नगर पर अज्ञात चोर द्वारा बुधवार को दो मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया गया जिसमें गोविंद देवजी के मंदिर से करीब 2-3 बजे चांदी के दो छात्र एवं उससे पहले करीब बारह बजे दोपहर को नरसिंहजी के मंदिर से अज्ञात चोर चांदी का छात्र व हाथों के कड़े चुरा ले गए।

चोरी की वारदात का जब पता चला जब मंदिर पुजारी ने सांय आरती के लिए भगवान का गर्भ ग्रह खोला। मंदिरों में दिनदहाड़े हो रही चोरी से नगरवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है एवं पुलिस से इन चोरों को तुरंत पकड़ने की मांग की है। बौंली पुलिस थाने के हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि अज्ञात चोर ने पहले नरसिंह जी के मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया एवं उसके बाद गोविंद देवजी की मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। नरसिंहजी के मंदिर की चोरी की रिपोर्ट मंदिर के पुजारी हनुमान शर्मा ने बुधवार शाम को बौंली थाने में दर्ज कराई है। पुलिस इस मामले को लेकर सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई है।

- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले

हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

तारानगर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में साहवा थाना पुलिस ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए गुरूवार को अवैध हैरोइन (चिट्टा) सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साहवा थाना पुलिस ने साहवा से भादग रोड पर राजकीय महाविद्यालय साहवा के पास गश्त के दौरान आरोपी बलवन्त कुमार पुत्र कृष्ण कुमार नायक के कब्जे से 4.77 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) जब्त कर आरोपी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया। कार्यवाही में पुलिस थाना साहवा टीम में अल्का बिश्नोई उ.नि. थानाधिकारी, कुलदीप कानि, प्रमेश्वरलाल कानि, पवन कुमार कानि आदि शामिल रहे।

दुकान का शटर ऊंचा कर चोरी

निवाई, (निसं)। श्रीराधा दामोदरजी कुण्डों पर स्थित एक इलेक्ट्रिक की दुकान का शटर ऊंचा करके चोर गल्ले में रखे करीब 90 हजार रूपए की नकदी चुराकर ले गए। चोरी की वारदात दुकान पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। चोरी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि गुरूवार को सुबह करीब सवा पांच बजे दो चोर राधा दामोदरजी कुण्डों पर स्थित संजय सैनी पुत्र लालचन्द सैनी की दुकान का शटर को बड़े पेचकश से ऊंचा करके दुकान में घुस गए और गल्ले में रखे करीब 90 हजार रूपए की नकदी चुराकर ले गए। पुलिस ने बताया कि चोरी का मामला दर्ज करके आस-पास के सीसी टीवी केमरे खंगाले गए।

पंचायत समिति की खण्डरनुमा दुकान में बुजुर्ग का शव मिला

श्रीमाधोपुर, (निसं)। शहर में गुरुवार को रेलवे स्टेशन रोड़ पर पंचायत समिति की खण्डरनुमा पड़ी दुकान में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला है। नगरपालिका की सफाई कर्मचारी महिला ने शव देखा और रास्ते से गुजर रहे समाजसेवी राजु बागवान को सूचना दी। वहीं अत्यधिक ठंड से होने मौत होने का अंदेशा जताया है।

शव मिलने की सूचना के बाद मौकै पर पुलिस पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। मौके पर पहुंचे एसआई बनवारीलाल यादव ने बताया कि सूचना पर मय जाप्ते के साथ मौकै पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया। आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि पंचायत समिति की खण्डरनुमा पड़ी दुकानों में कई भिखारी व्यक्ति जो कि रात्रि में निवास करते हैं जिनमें मृतक बुर्जुग भी एक था, जो भी कई दिनों से शहर में भिक्षा मांगकर अपना गुजारा कर रात्रि में खण्डरनुमा दुकानों में निवास करता था। आज अत्यधिक ठंड के चलते इसकी मौत होना प्रतित हो रहा है। प्राथमिक तौर पर शव को कब्जे में लेकर शव को सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया है। वारिसान की तलाश जारी है।

- भिक्षा मांगकर अपना गुजारा करता था, अत्यधिक ठंड से होने मौत होने का अंदेशा

फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। बुजुर्ग ने काली पेंट और जैकेट पहनी हुई है। मृतक की शिनाख्त के बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

मोरेल डैम की नहरें बंद करने की मांग

बौंली-बामनवास, (निसं)। राजस्थान किसान सभा के सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष कानजी मीणा ने सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर शुभम चौधरी को एक ज्ञापन भेज कर मोरेल डैम की दोनों नहरें बंद करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि मोरेल डैम की मुख्य नहर व पूर्वी कैनाल का पानी व्यर्थ जाने के कारण नहरों से पानी की सप्लाई को बंद कर दिया जाना चाहिए। वर्तमान में किसानों की सरसों, गेहूं व चने की फसल की सिंचाई हो चुकी है एवं अब जो भी पानी नहरे में छोड़ा जा रहा है वह व्यर्थ है। अब किसानों को 1 जनवरी 2025 से फसलों की सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता होगी तब तक इसे बंद कर दिया जाना चाहिए।

वाहन की टक्कर से राहगीर व बाइक सवार की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। गंगापुर सिटी-जयपुर हाईवे सड़क मार्ग स्थित सीपी अस्पताल के पास बुधवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार और राहगीर की मौत हो गई। हादसे में बाइक पर सवार दूसरा युवक घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुवार सुबह सदर थाना पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार मानपुर गांव निवासी मनमोहन बैरवा उर्फ मोनू पुत्र खेमचंद और लल्लू किशोरी बैरवा बुधवार रात जयपुर की ओर से अपने गांव मानपुर बाइक से आ रहे थे। इस दौरान गंगापुर सिटी-जयपुर हाईवे पर स्थित सीपी अस्पताल के पास बाइक सवार ने पैदल जा रहे एक राहगीर लड्डू खां पुत्र उमेदी खां निवासी दशहरा मैदान गंगापुर सिटी को टक्कर मार दी, जिससे तीनों सड़क पर गिर गए। इतने में अज्ञात वाहन ने सड़क पर गिरे बाइक सवार सहित राहगीर तीनों को कुचल दिया, जिससे तीनों गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद काफी संख्या में वहां से गुजर रहे वाहन सवारों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई।

गंगापुर सिटी में अस्पताल में लगी परिजनों की भीड़।

इस दौरान सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तीनों घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। यहां मनमोहन बैरवा (35) और लड्डू खां (40) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रात होने के कारण पुलिस ने दोनों के शव को अस्पताल की मॉर्चुरी में पोस्टमॉर्टम के लिए रखवाया, जबकि घायल लल्लू बैरवा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना की जानकारी परिजनों को मिलने के बाद वह जिला अस्पताल पहुंचे। सदर थाने के सहायक उप निरीक्षक जबर सिंह ने बताया कि गुरुवार को दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

- हादसे में बाइक पर सवार दूसरा युवक घायल, जिला अस्पताल में भर्ती कराया
- दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंपे

रेलवे में नौकरी का झांसा देकर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

फरार इनामी आरोपी को बिहार से गिरफ्तार किया, 15 साल से फरारी काट रहा था

कोटा, (निसं)। बेरोजगार युवाओं को रेलवे में नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी करने के मामले में फरार चल रहे पांच हजार के इनामी तीसरे आरोपी को रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने बिहार से गिरफ्तार किया है।

शहर एसपी अमृता दुहन ने बताया कि रेलवे में नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन व रेलवे कॉलानी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्यवाही करते हुए मामले में 15 साल से वांछित चल रहे आरोपी मेहंदी हसन चौक थाना ब्रह्मपुरा जिला मुजफ्फरपुर बिहार निवासी एस.एन. शर्मा उर्फ गुरूजी (78) को बिहार से गिरफ्तार किया है। शहर एसपी ने बताया कि पूर्व में दो आरोपी मुन्नीलाल वर्मा व विश्वबंधु शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

- पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

यह था मामला:- शहर एसपी ने बताया कि 16 जुलाई 2009 को रेल्वे कॉलोनी थाने में मधुबन कॉलोनी निवासी दिलीप सिंह ने इन्द्रा कॉलोनी निवासी मुन्नी लाल वर्मा, महावीर नगर विस्तार योजना निवासी विश्वबंधु शर्मा और बिहार निवासी एस.एन. शर्मा उर्फ गुरूजी के खिलाफ एक रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में बताया था कि आरोपी मुन्नीलाल वर्मा जो उसका मित्र है। आरोपी मुन्नीलाल वर्मा ने अपने साथी विश्वबंधु शर्मा व एस.एन. शर्मा के साथ मिलकर उसको एवं उसके भाई संजीव सिंह, शशिकांत शर्मा, अवतार सिंह एवं विष्णुदत्त शर्मा को रेल्वे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रूपये की ठगी कर ली और उनको नौकरी का कोई दस्तावेज नहीं दिया। पुलिस ने दिलीप सिंह की रिपोर्ट पर तीनों आरोपियों के खिलाफ ठगी की धाराओं में मामला दर्ज किया था। मामले में पुलिस ने पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था और वांछित चल रहे तीसरे आरोपी एस.एन. शर्मा को मुजफ्फरपुर बिहार से गिरफ्तार किया।

पेयजल समस्या को लेकर लोगों का जलदाय विभाग के बाहर प्रदर्शन

सीकर, (निसं)। सीकर शहर के वार्ड नंबर 41 में पिछले लंबे समय से चल रही पानी की समस्या को लेकर जलदाय विभाग के समक्ष प्रदर्शन किया गया तथा धरना देकर जलदाय विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

वार्ड नंबर 41 के कई क्षेत्रों में पानी की किल्लत बनी हुई थी। पानी की समस्या को लेकर वार्ड के लोग पहले गोगामेड़ी के पास एकत्रित हुए तथा बाद में जलदाय विभाग पहुंचे आक्रोशित महिला एवं पुरुषों ने जलदाय विभाग के मेन गेट को बंद कर प्रदर्शन करते हुए जलदाय विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वार्ड की महिलाओं के साथ वार्ड की पूर्व पार्षद भावना कच्छावा ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को जमकर खरी खोटी सुनाई। काफी देर तक प्रदर्शन चलने के बाद जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता महेंद्र कांटीवाल तथा सहायक अभियंता प्रमोद कुमार ने महिला एवं पुरुषों को समस्या समाधान का आश्वासन दिया लेकिन वार्ड के लोगों ने लिखित में आश्वासन देने की बात कही तब जाकर जलदाय विभाग के अधिकारियों ने लिखित में नियमित एक दिन छोड़कर एक दिन जल सप्लाई देने की बात कही।

- धरना देकर वार्ड 41 के लोगों ने जलदाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी की
- जलदाय विभाग के अधिकारियों ने लिखित में जल सप्लाई सुचारु होने का आश्वासन दिया

जिस पर वार्ड का एक प्रतिनिधिमंडल आनंद सिंह कच्छावा, नरेंद्र सोलंकी, देवेंद्र सिंह निर्वाण, हनुमान सिंह गहलोत, ओम सिंह बालापोता, गजराज सिंह परिहार, भागीरथ बड़जात्या तथा फूल सिंह निर्वाण के नेतृत्व में जलदाय विभाग के अधिकारियों से मिला तथा समस्या समाधान पर विस्तार पूर्वक चर्चा करने के बाद विभाग द्वारा लिखित में जल सप्लाई सुचारु किये जाने का आश्वासन दिया। साथ ही ख़ातियो की गली में शहर विधायक राजेंद्र पारीक द्वारा स्वीकृत ट्यूबवेल को शीघ्र लगाए जाने का भी आश्वासन दिया गया। अंत में सभी वार्डवासियों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों से हुई सौहार्दपूर्ण वार्ता के बाद उनका आभार व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान वार्ड के वरिष्ठ नागरिक सत्यनारायण सिंह पवार, सवाई सिंह निर्वाण, बजरंग सिंह पवार, महेंद्र सिंह शेखावत, सुरेंद्र सिंह चौहान, झाबर सिंह गहलोत, भरत सिंह परिहार, योगेश, ऋषिका, मनोहर सिंह परिहार सहित काफी संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे।

सरकारी जमीन, आम रास्ता एवं नहर पर अतिक्रमण करने का विरोध

भीलवाड़ा, (निसं)। ग्राम भालड़ी खेड़ा ग्राम पंचायत बावड़ी तहसील मांडल भीलवाड़ा की सरकारी भूमि एवं नहर, पतवारी, ग्रामीणों की रोडियां पर क्षेत्र के भूमाफिया द्वारा अवैध अतिक्रमण करते हुए तारबंदी करके खंभे गाढ़ दिए गए एवं आम रास्ते को बंद कर दिया गया। इसके संबंध में समस्त ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार भीलवाड़ा को ज्ञापन दिया।

समाजसेवी मोतीलाल सिंघानिया ने बताया कि वार्डपंच प्रतिनिधि सुरेश भील व ग्राम पंचायत बावड़ी के नेतृत्व में समस्त ग्रामवासी एवं महिलाएं सैकड़ों की तादाद में भीलवाड़ा जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और वहां भूमाफिया के खिलाफ ज्ञापन दिया गया, जिसमें बताया कि भूमाफिया ने सरकारी जमीन, जिसमें ग्रामीणों की रोडियां थी पतवारी एवं आम सरकारी रास्ता तथा नहर को खुर्द करते हुए तारबंदी करके आम रास्ता एवं सरकारी जमीन को अतिक्रमणग्रस्त कर दिया।

ग्राम भालड़ी खेड़ा ग्राम पंचायत बावड़ी तहसील मांडल भीलवाड़ा के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों द्वारा विरोध करने पर वह भूमाफिया ने जातिगत गालियां देते हुए, जान से मारने की धमकी तक देने पर उतारू हो गए, जिससे समस्त ग्रामवासी आज इकट्ठे होकर सैकड़ों की तादाद में जिला मुख्यालय पहुंचे और वह भूमाफिया से उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की गुहार लगाई।

- ग्रामवासियों ने जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार भीलवाड़ा को ज्ञापन दिया

ज्ञापन में देवा गुर्जर, भैरू गुर्जर, गोपाल गुर्जर, रूपा गुर्जर, भंवर गुर्जर, संपत गुर्जर, गोपाल, जगदीश बलाई, देवा बलाई, बबलू बलाई, बद्री बलाई, नारायण भील, बालू भील, सांवर भील, नर्मदा बलाई, कमला बलाई, सरिता बलाई, श्यामू भील, कमला भील, देवू बलाई सहित सैकड़ों महिलायें एवं ग्रामवासी मौजूद थे।

भारत को जब भी गेंदबाजी करने का मौका मिलता है तो उन्हें चौथी और पांचवीं स्टंप लाइन पर थोड़ा और अधिक भरोसा करना चाहिए।
- मैथ्यू हेडन

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज, भारतीय गेंदबाजों को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर 14 दिसंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में एक बार फिर से पारी का आगाज करते हुए दिख सकते हैं। रोहित शर्मा सीरीज का पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे, जहां उनकी गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की थी और केएल राहुल ने पारी का आगाज किया था। पर्थ टेस्ट में केएल राहुल ने जिस तरह से बैटिंग की, एडिलेड में खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैच के लए उन्हें फिर से ओपन करने का मौका मिला, जबकि टीम में कप्तान रोहित शर्मा वापसी करने के बाद मिडिल ऑर्डर में उतरे।

क्या आप जानते हैं ?... एक टैस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

डी गुकेश ने रच दिया इतिहास

सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चेस चैम्पियन बने, चीन के डिंग लिरेन को हराया

सिंगापुर 12 दिसंबर। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने गुरुवार को चीन के मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। आज यहां खेले गये मुकाबले में 18 वर्षीय गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह खिताब जीता। यह चैंपियनशिप 25 नवंबर को शुरू हुई थी। 11 दिसंबर तक दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 बाजी खेली गई और स्कोर 6.5-6.5 से बराबर था।

गुकेश ने आज 14 वीं बाजी में जीत दर्ज कर एक पॉइंट की बढ़त लेकर स्कोर 7.5-6.5 कर दिया। शतरंज चैंपियन बनने के बाद गुकेश भावुक हो गये। इस जीत के साथ ही सबसे कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी

डी गुकेश वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के अंतिम गेम में डिंग लिरेन की गलती के बाद इतिहास में सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। ये गलती ऐसे समय में हुई जब टाईब्रेक की संभावना बहुत वास्तविक लग रही थी।

पांचवें घंटे में खेल तब खत्म हुआ जब डिंग लिरेन ने एक गलती की जिसके कारण उन्हें हार झेलनी पड़ी।एक वक्त ऐसा था जब लगा मैच टाईब्रेक हो जाएगा, लेकिन गुकेश ने अपनी कोशिश जारी रखते हुए डिंग को हराने में सफलता प्राप्त की। वर्ल्ड शतरंज चैंपियनशिप 2024 में डिंग लिरेन अधिकांश समय पर पीछे चल रहे थे। बता दें कि, डोमराजू गुकेश 18वें वर्ल्ड चेस चैंपियन हैं। डिंग लिरेन के खिलाफ गुकेश काले मोहरों के साथ मुकाबले खेले थे। पूरे मैच में भारतीय युवा ने अपना जोरदार प्रदर्शन दिखाया और हर बाजी में चीनी खिलाड़ी पर भारी पड़े। आखिर में गुकेश ने चीन की बादशाहत खत्म कर दी।

गाबा पिच पर होगी भारतीय बल्लेबाजों की अग्निपरीक्षा

ब्रिसबेन, 12 दिसम्बर। भारतीय क्रिकेट टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है जहां दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज में अभी तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं। वहीं तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर शनिवार से ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में खेला जाएगा। जो कि भारतीय समयानुसार सुबह 5.30 बजे से खेला जाएगा।वहीं गाबा की पिच को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल हो सकती है, जिसकी पूरी संभावना दिख रही है। पिच से तेज गेंदबाजों को पेस और बाउंस मिलेगा, यानी बल्लेबाजों की शामत आनी तय है। शुरुआती दिन तो यहां पर गेंदबाजों का ही बोलबाला रहेगा। जो भी टीम यहां टॉस जीतेगी, शायद वो पहले गेंदबाजी करेगी। वैसे भी दोनों ही टीमों में धुरंधर तेज गेंदबाजों की कम नहीं है। अब गाबा टेस्ट में जिस पिच पर भारत-ऑस्ट्रेलिया का मैच होना है, उसकी तस्वीरें सामने आई है। इसे देखकर तो ऐसा लगता है कि पिच तेज गेंदबाजों के ही मुफीद होगी। विकेट काफी हरा-भरा दिख रहा है और इस पर लगातार रोलिंग की जा रही है।

गाबा में जसप्रीत बुमराह से पार पाना चाहते हैं नाथन मैकस्वीनी

ब्रिसबेन, 12 दिसम्बर। आस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को उम्मीद है कि गाबा में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वह भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अच्छी तरह से खेलने में सफल रहेंगे। मैकस्वीनी को अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला में ही बुमराह जैसे धाकड़ गेंदबाज का सामना करना पड़ रहा है जिन्होंने अभी तक ऑस्ट्रेलिया के इस बल्लेबाज को तीन बार आउट किया है। मैकस्वीनी ने हालांकि एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 39 रन बनाकर अपना आत्मविश्वास जगाया है।

2026 में तीन तथा 2030 में छह देश करेंगे फीफा विश्वकप की मेजबानी

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। वर्ष 2026 में तीन तथा 2030 में छह देश फीफा विश्वकप की मेजबानी करेंगे। इसके साथ ही सऊदी अरब को वर्ष 2034 के फीफा विश्वकप की मेजबानी मिली है। फेडरेशन इंटरनेशनल फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) बुधवार को वर्ष 2026, 2030 और 2034 के विश्वकप आयोजन के मेजबानी की घोषणा की। एसोसियेशन कहा कि फीफा विश्वकप 2026 के लिये अमेरिका और मेक्सिको तथा 2030 के लिए स्पेन, मोरोक्को, पुर्तगाल, उरुग्वे, पैराग्वे और अर्जेंटीना मेजबानी करेंगे। इन छह देशों मे उरुग्वे ऐसा देश है, जहां 100 साल बाद विश्वकप का मैच खेला जायेगा। उरुग्वे ने इससे पहले साल 1930 में हुए फुटबॉल विश्व कप में मेजबानी की थी। फीफा ने 2034 के विश्वकप संस्करण की मेजबानी सऊदी अरब को दी है। कतर के बाद सऊदी अरब दूसरा खाड़ी देश होगा, जो विश्वकप की मेजबानी करेगा। वर्ष 2026 फीफा विश्वकप की मेजबानी संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको करेंगे। यह पहली बार होगा जब तीन देश मिलकर विश्वकप का आयोजन करेंगे।

आईसीसी के नये चेयरमैन शाह ने 2032 ब्रिसबेन ओलंपिक के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की

ब्रिसबेन, 12 दिसम्बर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन का पदभार संभालने वाले जय शाह ने बृहस्पतिवार को 2032 ब्रिसबेन ओलंपिक आयोजन समिति के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और ग्रीष्मकालीन खेलों में क्रिकेट को शामिल करने की संभावना पर चर्चा की। क्रिकेट 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी करेगा जब यह 2028 लॉस एंजिलिस खेलों का हिस्सा होगा।

ब्रिसबेन में 2032 में क्रिकेट को शामिल करने की अभी पुष्टि नहीं हुई है। शाह ने बैठक की तस्वीरों के साथ एक्स पर पोस्ट किया, "ओलंपिक आंदोलन में क्रिकेट की भागीदारी के लिए बहुत ही रोमांचक समय है - आज ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन में ब्रिसबेन 2032 आयोजन समिति के साथ बैठक।

हुई।" बैठक में ब्रिसबेन 2032 आयोजन समिति की प्रमुख सिंडी हुक और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने भाग लिया। भारतीय क्रिकेट बार्ड के पूर्व सचिव के भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट को देखने की उम्मीद है जो शनिवार से गाबा में शुरू होगा। शाह की तत्काल प्राथमिकताओं में फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी का समाधान खोजना है। सभी हितधारकों ने हाइब्रिड मॉडल पर सहमति व्यक्त की है लेकिन अभी तक कोई घोषणा नहीं की गई है जिससे टूर्नामेंट के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

पाकिस्तान टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी का कटेगा पत्ता!

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। टिम नीलसन की इस साल अगस्त में हाई-परफॉर्मेंस रेड-बॉल कोच बनाया गया था। उनके अनुबंध को पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद रिन्यू करना था। वो इसे लेकर निर्णय का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो को बताया कि उन्हें लगता है कि टीम के साथ अच्छी प्रगति कर रहे हैं और साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह प्रदिबद्ध हैं, लेकिन पीसीबी ने उन्हें बताया कि उनकी सेवाओं की अब आवश्यकता नहीं है। वहीं माना जा रहा है कि पीसीबी ने गिलेस्पी को पहले से ये नहीं बताया कि अब वह साउथ अफ्रीका में बैगर सहायक कोच के होंगे। इस फैसले से वह बेहद नाखुश हैं। उनसे पहले से सलाह नहीं ली गई।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद ने मलेशियाई जोड़ी को हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की

हांगझोऊ (चीन), 12 दिसंबर। भारत की महिला युगल बैडमिंटन जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने गुरुवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 टूर्नामेंट में मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन को हराया।

आज यहां त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद ने मुरलीधरन ने अच्छी शुरुआत करते हुए 8-5 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए गेम में वापसी कर 14-12 की बढ़त हासिल की। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। 19-19 पर त्रिशा और गायत्री ने बेहतरीन खेल का मुजाहिरा करते

46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-19 से हराकर टूनामेंट में पहली बार खेलते हुए अपनी नॉकआउट उम्मीदों को जिंदा रखा। इस मुकाबले में भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 6-2 की बढ़त बनाई, लेकिन पर्ली टैन-थिनाह मुरलीधरन ने वापसी करते हुए हाफवे स्टेज पर 11-10 की बढ़त ले ली। भारतीय जोड़ी ने खेल के अंतिम चरण में 19-17 के स्कोर पर महत्वपूर्ण दो अंक अर्जित किए और पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की। दूसरे गेम में पर्ली टैन और थिनाह हुए दो अंक हासिल किए और गेम और मैच को अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद वर्तमान में ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। चीन की दुनिया की नंबर वन जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग दो मैचों में दो जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। त्रिशा-गायत्री की भारतीय जोड़ी का अगले मुकाबले में जापान की नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा से होगा। इस मैच में जीतने वाली जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेगी।

रघु सिन्हा आईटीएफ 200 टेनिस टूर्नामेंट : पुरुष सिंगल्स श्रेणी में गुरदर्शन, अरूण, रंजू, जगदीश और दीपक फाइनल्स में पहुंचे

जयपुर, 12 दिसंबर। रघु सिन्हा माला माथुर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित और अंतर्राष्ट्रीय टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) के तत्वावधान में जयपुर क्लब में चल रहे प्रतिष्ठित रघु सिन्हा आईटीएफ 200 टेनिस टूर्नामेंट में गुरुवार को खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में रोमांचक प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष सिंगल्स (45) श्रेणी में अरुण कटारिया और रंजू चेरियन फाइनल खेलेंगे। (50) श्रेणी में जगदीश तंवर और दीपक बागोरा फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। (55) श्रेणी में गुरदर्शन सिंह रमाना फाइनल में पहुंचे।

टूर्नामेंट के तीसरे दिन 60, 65, 70 श्रेणी में पुरुष सिंगल्स के मुकाबले शुरु हुए, जिसमें सिंगल्स (70) श्रेणी में दिलीप शिवपुरी पहला राउंड पार कर दूसरे राउंड में पहुंचे। वहीं (60) श्रेणी में प्रेमा शेरपा, संजीव मेहरा, इंदरपाल सिंह, दिनेश कुमार फुलवारिया, राम प्रकाश गुप्ता ने विजयी होकर दूसरे राउंड में प्रवेश किया। इसी प्रकार, (65) श्रेणी में रिच्छपाल सिंह जाखड़, योगेश शाह, अजीत भारद्वाज और राकेश कोहली विजेता होकर अगले राउंड में प्रवेश किया।

इस दिन महिला खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा की भी शुरुआत हुई। जिसमें महिला सिंगल्स (30) श्रेणी में रानी स्मिता जैन, कनिका चौधरी, दीपमाला यादव और निमिशा जैन पहले राउंड की विजेता रहीं और दूसरे राउंड में प्रवेश किया। टूर्नामेंट में देश-विदेश से शामिल खिलाड़ियों ने अपने-अपने वर्गों में बेहतरीन मुकाबला करते हुए अगले चरण में प्रवेश किया।

राजधानी

विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं विकसित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे युवा देश की धरोहर हैं। जब युवा आगे बढ़ेंगे, तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। युवाओं की ऊर्जा, जोश एवं प्रतिभा ही राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी की भागीदारी से विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

शर्मा गुरूवार को अमर जवान ज्योति पर आयोजित 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'रन फॉर विकसित राजस्थान' की यह दौड़ हमारी एकजुटता, दृढ़ संकल्प और राज्य के विकास की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि युवा सशक्त होंगे तो राजस्थान सशक्त होगा। इसी लक्ष्य के साथ प्रदेश में अब से हर वर्ष 12 दिसम्बर को 'रन फॉर विकसित राजस्थान' का आयोजन किया जाएगा, जिससे युवाओं को राज्य की प्रगति में भागीदार बनने की प्रेरणा मिले।

युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं भी युवाओं के साथ दौड़े। अपने साथ मुख्यमंत्री को दौड़ लगाते हुए देख युवा उनकी सादगी के कायल हो गए। इस दौड़ में एनसीसी, एनएसएस, आरएसी, होमगार्ड और आमजन सहित 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि भारत के भविष्य का मार्ग अब बड़े सपनों, बड़े संकल्पों की सिद्धि का है। आज विकसित भारत का निर्माण ही हर देशवासी का ध्येय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के इसी ध्येय को अपना संकल्प बनाकर हमारी सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। प्रधानमंत्री ने यह करके दिखाया है। यह सदी भारत की है, भारत के

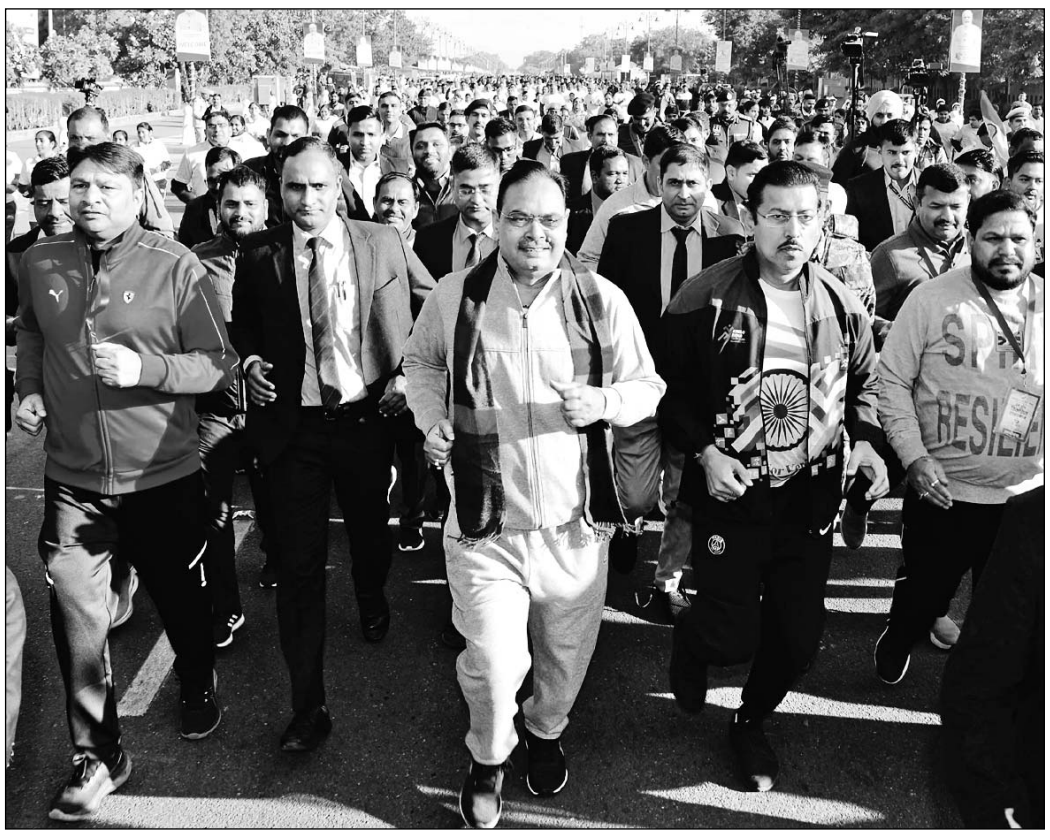

अमर जवान ज्योति पर आयोजित 'रन फॉर विकसित राजस्थान' में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं भी युवाओं के साथ दौड़े।

युवाओं की है।

शर्मा ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में कई बार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त किए हैं। इस बार पेरिस पैरालंपिक में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, कांस्य सहित कुल 3 पदक जीते। हमारी सरकार खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं विकसित कर रही है।

उन्होंने कहा कि राइजिंग समिट के दौरान भी खेलों के लिए 15 हजार करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, जिससे युवाओं को खेलों में और आगे बढ़ने के अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा टारगेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम से ओलम्पिक में भाग लेने वाले 50 प्रतिभाशाली युवाओं को विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, राजस्थान में खेलो इंडिया राष्ट्रीय यूथ गेम्स-2026 का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार

- **मुख्यमंत्री ने की राज्य सरकार की पहली वर्ष गांठ के आयोजन की शुरूआत**
- **'हर वर्ष 12 दिसम्बर को 'रन फॉर विकसित राजस्थान' आयोजित होगा'**

खेल एवं युवा नीति लाने, महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने सहित खेलों के विकास की विभिन्न कार्य कर रही है।

खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फिट इंडिया, योग दिवस, श्री अन्न, स्वच्छ भारत जैसे अभियानों के माध्यम से युवाओं को फिट, स्वस्थ, स्वच्छ रहने की दिशा दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान में युवाओं के लिए बहुत काम हो रहा है। आगामी 5 सालों में 4 लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी तथा राइजिंग राजस्थान के माध्मय से प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने विकसित राजस्थान के प्रतीक के रूप में आसमान में गुब्बारे छोड़े तथा हरी झंडी दिखाकर 'रन फॉर विकसित राजस्थान' मैराथन की शुरूआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल, सुंदर सिंह गुर्जर सहित कई खिलाड़ियों को चैक एवं प्रशस्ति-पत्र वितरित किए।

इस दौरान विधायक गोपाल शर्मा, गुरवीर सिंह, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू सहित उच्च अधिकारी, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

सी.एम.के काफिले में टैक्सी घुसाने वाले ड्राइवर की मौत

- **20 दिन पहले ही दूसरी बार पिता बना था मृतक पवन**

जयपुर (कासं)। जगतपुरा इलाके में अक्षयपात्र चौराहे पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में टैक्सी घुसाने वाले ड्राइवर पवन की गुरूवार को मौत हो गई। मृतक ड्राईवर पवन 20 दिन पहले ही दूसरी बार पिता बना था। गत 11 दिसंबर को हुए एक्सीडेंट में एएसआई सुरेंद्र सिंह की पहले ही जान चली गई थी। हादसे में घायल 4 पुलिसकर्मियों का इलाज चल रहा है। हादसा बुधवार दोपहर तीन बजे अक्षयपात्र सर्किल पर हुआ था। घायल टैक्सी ड्राइवर को महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन गुरुवार दोपहर इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

परिजनों के मुताबिक मृतक पवन करौली का रहने वाला था। जगतपुरा सात नंबर बस स्टैंड के पास किराए पर रहता था। साथ में पत्नी और दो बच्चे भी रहते थे। एक बच्चा ढाई साल का है, जबकि दूसरा बच्चा 20 दिन का। डेढ़ साल पहले ही विदेश से नौकरी छोड़कर जयपुर आया था। विदेश में करीब डेढ़ साल नौकरी की थी। सूत्रों की मानें तो बुधवार को वी.वी.आई.पी. सुरक्षा में दो बड़ी चूक हुई। जगतपुरा के अक्षयपात्र चौराहे पर जहां मुख्यमंत्री के काफिले में टैक्सी गाड़ी टकराने का हादसा हुआ, ठीक यहीं पर करीब 1 घंटे बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की कारों के बीच एक सिलेंडर से भरा ट्रक घुस गया। उपराष्ट्रपति लघु उद्योग भारती द्वारा सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम में आए थे। जबकि मुख्यमंत्री भी इस कार्यक्रम में जा रहे थे।

तेजस्विनी गौत्तम को सौंपी जांच

वहीं दूसरी और पुलिस मुख्यालय ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में जगतपुरा के अक्षयपात्र चौराहे पर टैक्सी गाड़ी घुसने के मामले की जांच डी.सी.पी. ईस्ट तेजस्विनी गौत्तम को सौंपी है। बुधवार दोपहर को हुए इस हादसे में जहां ए.एस.आई. सुरेन्द्र सिंह की मौत हो गई थी, वहीं गुरूवार को टैक्सी ड्राइवर पवन ने भी दम तोड़ दिया। हालांकि पुलिस मुख्यालय ने सीएम सुरक्षा में चूक को देखते हुए बुधवार देर रात को ही इस प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच के आदेश जारी कर दिए थे। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने बताया कि इस घटना की जाँच डीसीपी ईस्ट तेजस्विनी गौतम को सौंपी गई है। इस घटना में मुख्यमंत्री की गाड़ी भी दुर्घटनाग्रस्त होते हुए बाल-बाल बची थी। डीजीपी साहू ने इस दुर्घटना में पुलिस एएसआई सुरेन्द्र सिंह की मृत्यु पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

डॉ. सतीश पूनिया ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने राजधानी जयपुर में राजभवन पहुँचकर राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें रामराज्य पुस्तक भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच राजस्थान प्रदेश से जुड़े जनहित व विकास के विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक वार्ता हुई। उन्होंने कहा कि मिलनसार व जमीन से जुड़े व्यक्तित्व के धनी राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े के लम्बे सामाजिक व राजनीतिक अनुभव का लाभ प्रदेश की उन्नित में महत्वपूर्ण साबित होगा, राज्यपाल हरिभाऊ का राजस्थान से लगाव अद्भुत है, वे प्रदेश की प्रगति को लेकर संकल्पित हैं एवं सबका साथ- सबका विकास-सबका विश्वास के लक्ष्य के साथ सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

'पिछली सरकार ने भ्रष्टाचार दिया, हम सपने पूरे कर रहे हैं'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर में नियुक्ति पत्र, ट्राई साइकिल, स्कूटी, कृत्रिम अंग व आयुष्मान कार्ड बांटे

जोधपुर, 12 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को पॉलिटैक्निक कॉलेज के मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल की प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछली सरकार ने भ्रष्टाचार दिया, हम सपने पूरे कर रहे हैं। सी.एम. ने युवाओं से कहा, आपने जो सपन संजोए हैं, हमारी सरकार उन्हें पूरा करेगी। इस दौरान आयोजित मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में उन्होंने लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे, साथ ही रिमोट से कई योजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने रोजगार उत्सव में करीब पांच हजार लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र, ट्राई साइकिल, स्कूटी, कृत्रिम अंग व आयुष्मान कार्ड वितरित किए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जैसलमेर, चूरू, दौसा से नर्सिंग ऑफिसर, संगणक आदि पद पर नव निर्वाचित लोगों से बात कर, बधाई दी। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की है, भारत के युवाओं की है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। प्रधानमंत्री ने यह करके दिखाया है।

कार्यक्रम में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने अपने उद्बोधन में कहा, यह तो अभी ट्रेलर है, अभी 10 हजार नियुक्तियां हो गई हैं, मार्च अप्रैल तक 50 हजार नियुक्तियां होंगी।

कार्यक्रम में मंच पर मुख्यमंत्री के साथ चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, शिक्षा मंत्री और जिला प्रभारी मंत्री मदन दिलावर, विधायक अतुल भंसाली, देवेन्द्र जोशी, पब्बाराम विश्नोई, अर्जुनलाल गर्ग सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, आयुर्वेद, प्लानिंग, कृषि, संस्कृत शिक्षा और शिक्षा विभाग में नव चयनित कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसी के साथ, कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के 150 स्टार्टअप को आई स्टार्ट फंड के तहत फंडिंग, बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम, स्टार्टअप फाउंडर तथा युवाओं की अपस्किलिंग एवं उनका स्किल्ड मैनपॉवर उपलब्ध करवाने के लिए लीप का शुभारंभ भी हुआ। युवा एवं खेल विभाग के टारगेट ओलंपिक पोडियम तथा स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम का शुभारंभ भी किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शिक्षा संकुल में नव निर्मित विद्या समीक्षा केन्द्र का उद्घाटन भी किया। वर्चुअल माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर इस केन्द्र का लोकार्पण किया। इस दौरान करीब 9624 लाख रुपए की लागत से प्रदेश के 4010 राजकीय विद्यालयों में नव स्थापित 8020 स्मार्ट कक्षाओं का लोकार्पण भी किया गया। साथ ही कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के 23,100 मेधावी विद्यार्थियों को टेबलेट और कृषि, ऑटोमोबाइल, ब्यूटी एंड वैलनेस, हेल्थ केयर, अपेरल मेडअप व होम फर्निशिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हार्डवेयर और प्लम्बर सहित 7 सेक्टरों की 75,325 कौशल सामग्री का वितरण भी किया गया।

प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि यह केन्द्र प्रदेश के 68,000 से अधिक विद्यालयों में पढ़ने वाले 81 लाख विद्यार्थियों, 4 लाख शिक्षकों और सवा लाख कर्मचारियों के डेटा की निगरानी करेगा। यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय विद्या समीक्षा केन्द्र से जुड़ा है।

- चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा यह तो ट्रेलर है। अभी 10 हजार नियुक्तियाँ हुई हैं, मार्च-अप्रेल तक 50 हजार और होंगी।
- मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से शिक्षा संकुल में नवनिर्मित विद्या समीक्षा केन्द्र का उद्घाटन किया। साथ ही 9624 लाख रुपये की लागत से निर्मित 4010 राजकीय विद्यालयों में 8020 स्मार्ट कक्षाओं का लोकार्पण किया।

प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल की प्रथम वर्षगांठ पर जोधपुर में राज्य स्तरीय समारोह हुआ। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र, ट्राई साइकिल, स्कूटी, कृत्रिम अंग व आयुष्मान कार्ड वितरित किए।

सिंधिया से माफी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर किसी को भी किसी अन्य पर कोई टीका टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

बुधवार को जब बनर्जी आपदा प्रबंधन अधिनियम के संशोधन पर चल रही चर्चा में भाग ले रहे थे तब तृणमूल कोविड-19 के दौरान केन्द्र सरकार पर असहयोग आरोप लगाया। जिसका भाजपा सांसद नित्यानंद राय ने विरोध किया।

उन्होंने बंगाल सरकार पर आरोप लगाया कि उसने कोविड वैक्सीन के परिवहन में बाधा डाली थी। इस पर सिंधिया भी उठे और बोले, जिसका बनर्जी ने सिंधिया पर निशाना साधा और कुछ ऐसी टिप्पणियां की जिन्हें स्पीकर ने सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया। बाद में हुए होहल्ले के बाद सदन स्थगित कर दिया गया। बुधवार को ही शाम को सदन की बैठक फिर से हुई तो बनर्जी ने माफी मांगी पर सिंधिया ने माफी स्वीकार करने से मना कर दिया था।

आदर्श क्रेडिट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर चुकी है। ई.डी. मामले में एस.ओ.जी. की ओर से दर्ज धोखाधड़ी से संबंधित रिपोर्ट के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है।

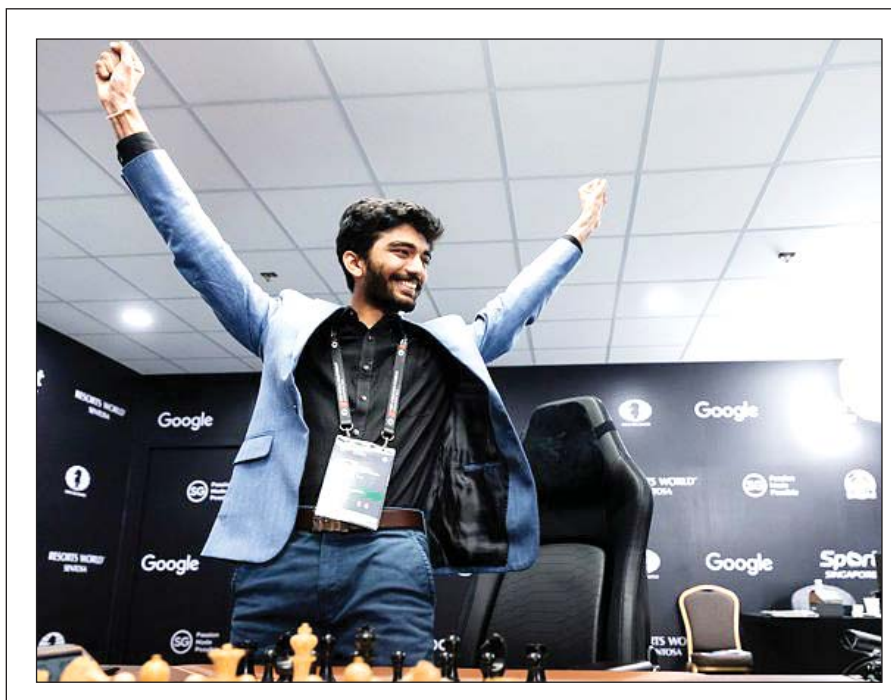

भारत ने वर्ल्ड चैस चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। भारत के शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश चीन के डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 14वीं और अंतिम बाजी में हराया और वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। गुकेश विश्वनाथन आनंद के बाद यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

प्रदेश की बार एसोसिएशनों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जगह-जगह सी.सी.टी.वी. कैमरे और स्क्रीन लगाई गई हैं। इसके अलावा, मतदान के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जायेगा।

महिलाओं और दिव्यांग मतदाताओं के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशियों- राजेश महर्षि, महेन्द्र शांडिल्य, संगीता शर्मा, इन्द्रेश शर्मा व राजीव सोगरवाल के बीच मुकाबला है, जबकि महासचिव पद पर सात प्रत्याशी रमित पारीक, अशोक कुमार यादव, अंकित सेठी, निशांत शर्मा, दीपेश शर्मा, डॉ. रामरूप मीना व शिवराज सिंह चुनाव लड़ रहे हैं।

इसी तरह अन्य पदों के लिए भी उम्मीदवारों के बीच मुकाबला रहेगा। इसी तरह दी बार एसोसिएशन, जयपुर में भी सुबह आठ से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे। मुख्य चुनाव अधिकारी राम मनोहर शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद पर 6 प्रत्याशी -संदीप लुहाडिया, सोमेश चन्द्र शर्मा, राजेश चौधरी, सुरेन्द्र सिंह राजावत, रजनीश गौड़ व प्रमोद कुमार शर्मा चुनाव मैदान में हैं। इसी तरह महासचिव पद पर 9 प्रत्याशी- मनीष गगरानी माहेश्वरी, अर्जुन राजपुरोहित, पुष्पेन्द्र कुमार भारद्वाज, बिन्दिया शर्मा, गोविन्द सिंह चूडावत, पंकज शर्मा पचलंगिया, कुलभूषण गौड, जयराम सिंह व उमेश चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं।

अभी 5 दिन और चलेगी शीतलहर

नई दिल्ली,12 दिसंबर। दिल्ली एनसीआर और देश के अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में शीत लहर का प्रकोप बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले 5 दिनों तक इन राज्यों में शीत लहर जारी रहेगी। मौसम विभाग ने कहा "अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और उससे सटे मध्य भारत में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की स्थिति रहने की संभावना है।"

'भारत में प्रदूषण से 2009-2019...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फॉर क्रॉनिक डिज़ीज कंट्रोल के शोधकर्ता भी शामिल हैं, ने पाया कि भारत की 1.4 बिलियन आबादी पी.एम. 2.5 के स्तर के संपर्क में बनी हुई है। वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा अनुशंसित वार्षिक औसत प्रति क्यूबिक मीटर वार्षिक औसत से अधिक है।

टीम ने यह भी पाया कि भारत की लगभग 82 प्रतिशत आबादी, या 1.1 बिलियन लोग ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां का पी. एम. 2. 5 स्तर का वार्षिक औसत इंडियन नैशनल एम्बिएंट द्वारा अनुशासित 40 माक्रॉन्स प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक है।

दिल्ली और एन. सी. आर. को विश्व का सबसे प्रदूषित क्षेत्र माना जाता है, ऐसे में, "दिल्ली की 21-सूत्रीय शीतकालीन कार्य योजना" नामक कार्यक्रम के तहत नए कदम उठाए गए। ड्रोन के माध्यम से, सघन आबादी वाले उन क्षेत्रों में सघन प्रदूषण वाले एरिया पर फुहारों की बौछार करने संबंधी पायलट प्रदूषण प्रोजैक्ट भी हैं, जहां ट्रक जैसे पारंपरिक यातायात के साधनों द्वारा नहीं पहुंचा जा सकता।

- अशोका युनिवर्सिटी और नई दिल्ली के सैन्टर फॉर क्रॉनिक डिज़ीज कंट्रोल सैंटर के शोधकर्ताओं ने शोध में यह भी पाया कि भारत की 1.4 अरब आबादी लगातार पी.एम. 2.5 स्तर के वायु प्रदूषण के सम्पर्क में रहती है, जो कि वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा अनुशंसित 5 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक है।
- रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली ओर गाज़ियाबाद में वायु प्रदषण का स्तर सर्वाधिक है, वहीं, अरूणाचल प्रदेश के सुबनसिरी में सबसे कम है। दिल्ली एन.सी.आर. और गाज़ियाबाद विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित क्षेत्र हैं।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय, जहां, ड्रोन के उपयोग की वकालत करते आए हैं, वहीं, मूल्यांकन में शामिल अधिकारी इस प्रस्ताव के पक्ष में नहीं हैं। इन लोगों का कहना है कि ड्रोन टैक्नोलॉजी बहुत अधिक महंगी है तथा वर्तमान तरीकों के मुकाबले इनसे कोई खास प्रगति नहीं होती है।

इस बीच, लैन्सैट अध्ययन में पाया गया कि सर्वे वाले पीरियड में पी.एम.2.5 पोल्यूशन 10 माइक्रॉन्स प्रति क्यूबिक मीटर की दर से बढ़ा। इसका संबंध, प्रति वर्ष 8.6 प्रतिशत ऊंची मृत्यु दर से पाया गया।

अध्ययन में, 2009 से 2019 की अवधि में प्रति वर्ष हुई मौतों पर फोकस किया गया, जिसका डेटा सिविल रैजिस्ट्रेशन सिस्टम से लिया गया। पी.एम. 2.5 सघनता का डेटा सैटलाइट तथा तकरीबन एक हजार ग्राउण्ड मॉनिटरिंग स्टेशन्स से लिया गया। यह भी पाया गया कि सभी सालों में पी.एम. 2.5 का विस्तृत एक्सपोज़र था। इसका न्यूमतम स्तर अरुणाचल प्रदेश के सुबनसिरी जिले में तथा उच्चतम स्तर गाज़ियाबाद व दिल्ली में पाया गया।

जमवारामगढ़ बार चुनाव परिणाम पर रोक

जयपुर, 12 दिसम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दी बार एसोसिएशन, जमवारामगढ़ के शुक्रवार को होने वाले चुनाव का परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने वर्तमान कार्यकारिणी को पद पर बने रहने को कहा है। वहीं, अदालत ने मामले में बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के सचिव और दी बार एसोसिएशन जमवारामगढ़ की चुनाव समिति को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश दी बार एसोसिएशन जमवारामगढ़ के अध्यक्ष रमाशंकर शर्मा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अनुराग पारीक और प्रियंका पारीक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बार एसोसिएशन के संविधान की धारा 12 के अनुसार, एसोसिएशन के चुनाव दो साल में होते हैं। बार कौंसिल ऑफ

- बार एसोसिएशन जमवारामगढ़ के अध्यक्ष की याचिका पर चुनाव समिति को नोटिस जारी।

राजस्थान के पूर्व में जारी पत्र के अनुसार भी याचिकाकर्ता एसोसिएशन का कार्यकाल दो साल का ही है। संविधान की पालना करते हुए एसोसिएशन की ओर से गत चुनाव दिसंबर, 2023 में कराए गए थे। ऐसे में आगामी चुनाव दिसंबर, 2025 में होने हैं। याचिका में यह भी कहा गया कि कुछ वकीलों ने संविधान के प्रावधानों की अवहेलना करते हुए 13 दिसंबर, 2024 को ही चुनाव कराना तय कर चुनाव संचालन समिति का भी गठन कर लिया। संचालन समिति शुक्रवार को चुनाव कराने जा रही है, जबकि यह एसोसिएशन के प्रावधानों के खिलाफ है। ऐसे में चुनाव संचालन समिति की कार्रवाई को रद्द किया जाए।

केजरीवाल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यही समय है कि ए. आई. सी. सी. उनकी नियुक्ति को तार्किक आधार पर देखे और समझे की दोहरी जिम्मेवारी से पार्टी को लाभ नहीं होगा।

देवेगौड़ा ने अपने पोते निखिल को उत्तराधिकारी घोषित किया

निखिल केन्द्रीय मंत्री एच.डी. कुमार स्वामी के पुत्र हैं

- लक्ष्मण वैकट कुची -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर। कर्नाटक की क्षेत्रीय पार्टी जनता दल (सैकुलर) ने वंशवादी उत्तराधिकार की योजना बनाली है और पार्टी के प्रमुख तथा पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौडा के पोते व केन्द्रीय मंत्री एच. डी. कुमारास्वामी के पुत्र निखिल कुमारास्वामी को पार्टी अध्यक्ष बनाया जाएगा।

लेकिन पार्टी में इस योजना का विरोध हो रहा है। कई नेता निखिल के खराब चुनावी रिकॉर्ड का हवाला दे रहे हैं। उन्होंने तीन चुनाव लड़े और तीनों हार गए। वर्तमान में, वे जद (एस) की कर्नाटक युवा शाखा के अध्यक्ष हैं और उन्हें पार्टी अध्यक्ष बनाने पर गंभीर विचार विमर्श चल रहा है। इस समय केन्द्रीय मंत्री कुमारास्वामी पार्टी अध्यक्ष हैं और मंत्री के रूप में उनकी व्यस्तता को देखते हुए उनके पुत्र को पार्टी अध्यक्ष बनाने का विचार चल रहा है। जैसे तमिलनाडु में द्रमुक, और आंध्र प्रदेश में तेलुगुदेशम पार्टी, तेलंगाना में बी. आर. एस. परिवार की पार्टियां हैं, उसी तरह जद (एस) भी पारिवारिक पार्टी है, उस पर देवेगौड़ा परिवार का पूर्ण नियंत्रण है।

इस योजना का खुलासा खुद देवेगौड़ा ने किया है। लेकिन पार्टी के लोग निखिल को लेकर चिंतित हैं, जो 2019 के लोकसभा चुनाव में मांड्या सीट से निर्दलीय प्रत्याशी एस. अम्बरीश से हार गए थे और 2023 में रामनगर सीट से कांग्रेस के एन. ए. इकबाल हुसैन से हार गए थे और हाल ही में उन्हें चन्नपटना सीट से कांग्रेस के सी. पी. योगेश्वर ने 25,000 वोटों से हराया।

- एच.डी. देवगौड़ा की इस घोषणा से पार्टी में नाराज़गी है, क्योंकि निखिल आज तक एक भी चुनाव नहीं जीते हैं।
- दक्षिण भारत के अधिकांश राज्यों की प्रमुख पार्टियां एक परिवार विशेष की विरासत बन गई हैं। तमिलनाडू में द्रमुक, आंध्र में तेलुगुदेशम और तेलंगाना में बी.आर.एस. सिर्फ परिवार के लोगों को ही आगे बढ़ा रही हैं।

जद (एस) की कोर कमेटी के चेयरमैन और चामुंडेश्वरी के विधायक जी. टी. देवेगौड़ा जैसे चन्द ही नेता हैं, जिन्हें नेतृत्व के लिए पार्टी का समर्थन प्राप्त है। पूर्व विधायक एस. आर. महेश का नाम भी चर्चा में था। ऐसी धारणा थी कि वंशवादी पार्टी होने के ठप्पों से पार्टी की छवि व चुनावी संभावनाएं प्रभावित हो रही हैं।

जब से देवेगौड़ा ने एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में यह संकेत दिया है कि निखिल को जद (एस) अध्यक्ष बनाया जाएगा, तब से पार्टी में असंतोष के स्वर सुनाई दे रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हम पार्टी की जिम्मेदारी निखिल को देंगे। उसके पास पारिवारिक पृष्ठभूमि है और राजनीति का अनुभव है।

यह तो तय है कि देर-सवेर यह बदलाव होगा। लेकिन जमीनी स्तर पर पार्टी निरन्तर कमजोर हो रही है, खासकर भाजपा से गठबंधन के बाद। भाजपा तेजी से दक्षिण भारत में अपने पैर फैला रही है। कर्नाटक में जद (एस) की कीमत पर और तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक की कीमत पर।

किसी भी तरह के सर्वे, धार्मिक स्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिनियम के तहत, विचार/सुनवाई नहीं हो सकती।

मौजूदा कार्यवाहियाँ उन याचिकाओं से उत्पन्न हुई हैं, जिनमें इस अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती दी गई है। इनमें भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर की गई याचिका भी शामिल है। उपाध्याय की याचिका में दलील दी गई है कि हमलों के दौरान कथित रूप से छीन लिये गये धार्मिक स्थलों के लिये कानूनी समाधान प्राप्त करने से दुखी हिन्दुओं, जैनों, बौद्धों तथा सिक्खों को रोककर, यह एक्ट ऐतिहासिक अन्यायों को स्थायी बना रहा है।

जमीयते-उलेमा-ए हिन्द, जिसने 2022 में इन कार्यवाहियों में शामिल होने की माँग की थी, ने कहा है कि ये याचिकाएं अप्रत्यक्ष रूप से इस्लामिक धार्मिक स्थलों को निशाना बना रही हैं। अन्य याचिकाएं, जिसमें विश्व भद्र पुजारी पुरोहित महासंघ की याचिका भी शामिल है, अन्य कई याचिकाओं के साथ, इसी मामले में दायर की गई हैं।

इस केस का नतीजा विभिन्न विवादित स्थलों से सम्बन्धित विवादों को प्रभावित कर सकता है, जिनमें शामिल है- वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद, संभल की शाही जामा मस्जिद तथा राजस्थान में अजमेर की दरगाह। इन धार्मिक स्थलों एवं सम्पत्तियों पर हिन्दुओं ने अपना अधिकार माँगा है तथा कहा है कि ये धार्मिक स्थल मन्दिरों पर बनाये गये हैं।

मुस्लिम पक्षों ने इन मुकदमों का विरोध किया है तथा पूजा स्थल अधिनियम का हवाला देते हुये, इन मुकदमों को जारी रखे जाने को चुनौती ही है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908